RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः25 , सोमवार, 09 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में 55वां सद्गुरु महायज्ञ एवं 21 दिवसीय राम नाम महा ... 03

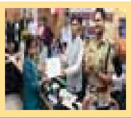

महिला दिवस पर उत्कृष्ट सेवा के लिए जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य कर्मियों को ... 04

'एक्यूज्ड' में हो रही प्रतिभा रान्ता के अभिनय की तारीफ 07

घर में विश्व कप जीतकर भारत ने रचा नया कीर्तिमान

एजेंसी

भारत : अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर इतिहास रच दिया। यह जीत केवल एक ट्रॉफी जीतने भर की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारतीय क्रिकेट की उस निरंतर प्रगति और आत्मविश्वास का प्रतीक है जिसने पिछले कुछ वर्षों में विश्व क्रिकेट में भारत की स्थिति को और मजबूत किया है। इस जीत के साथ भारत टी20 विश्व कप के इतिहास में तीन बार खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गया और साथ ही अपने ही देश में टी20 विश्व कप जीतने वाली भी पहली टीम बनकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

इस फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम का प्रदर्शन हर विभाग में शानदार रहा। बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी और रणनीति तक, हर स्तर पर भारत ने न्यूजीलैंड को पीछे छोड़ दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जिस आत्मविश्वास और आक्रामकता के साथ शुरुआत की, उसने मैच की दिशा शुरुआती ओवरों में ही तय कर दी। सलामी बल्लेबाज संजू सेमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी ने पावर प्ले में 92 रन जोड़कर एक नया रिकॉर्ड बना दिया। इस साझेदारी ने यह साबित कर दिया कि भारतीय बल्लेबाज दबाव के बड़े मुकाबलों में भी आक्रामक और सकारात्मक क्रिकेट खेलने से नहीं घबराते।

अभिषेक शर्मा ने 52 रन की तेज पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दी, जबकि संजू सेमसन ने 89 रन बनाकर टीम की पारी को मजबूती दी। उनके बाद ईशान किशन ने 54 रन बनाकर स्कोर को और ऊंचाई दी। अंत में शिवम दुबे की 8 गेंदों में 26 रनों की विस्फोटक पारी ने भारत के स्कोर को 255 के पार पहुंचा दिया। यह स्कोर किसी भी फाइनल मुकाबले में विपक्षी टीम पर मानसिक दबाव बनाने के लिए पर्याप्त था।

भारतीय बल्लेबाजों की यह पारी आधुनिक टी20 क्रिकेट की झलक भी दिखाती है, जिसमें आक्रामकता, जोखिम और

आत्मविश्वास का संतुलन दिखाई देता है। भारतीय टीम अब केवल तकनीकी रूप से मजबूत ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी बेहद सशक्त नजर आती है। यही कारण है कि बड़े मंच पर भी खिलाड़ी बिना दबाव के अपना स्वाभाविक खेल खेलते हैं।

गेंदबाजी में भी भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। 256 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखाई दी। हालांकि टिम साइफर्ट ने 52 रन बनाकर संघर्ष करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेकर मैच पर पकड़ बनाए रखी। जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट लेकर न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी, जबकि अक्षर पटेल ने तीन विकेट लेकर मध्यक्रम को झकझोर दिया। हार्दिक पंड्या, अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती ने भी महत्वपूर्ण विकेट लेकर टीम की जीत को सुनिश्चित किया।

भारतीय टीम की इस जीत में कप्तान सूर्यकुमार यादव की रणनीति भी सराहनीय रही। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों का उपयोग बेहद संतुलित तरीके से किया और सही समय पर गेंदबाजों को बदलकर विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। यह दिखाता है कि भारतीय टीम अब केवल प्रतिभा के दम पर नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी बेहद मजबूत हो चुकी है।

यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि यह घरेलू मैदान पर मिली है। अपने देश में विश्व कप जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है और भारतीय टीम ने इसे सच कर दिखाया। इस जीत ने करोड़ों भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को गर्व का अवसर दिया है।

शंकराचार्य पर एफआईआर कराने वाले आशुतोष महाराज पर हमला

- ट्रेन में चाकू मारे, नाक काटने की कोशिश; बोले-जितना खून बहा, उसका बदला लेंगे

प्रयागराज (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर बटुकों से यौन उत्पीड़न की एफआईआर कराने वाले आशुतोष महाराज पर रविवार को चलती ट्रेन में जानलेवा हमला हुआ। आशुतोष महाराज ने बताया- मैं रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से गाजियाबाद से प्रयागराज जा रहा था। फर्स्ट एसी कोच में बैठा था। रास्ते में सिराथू रेलवे स्टेशन के पास सुबह करीब 5 बजे टॉयलेट के लिए उठा। बाहर गेट पर एक आदमी खड़ा था। आगे बढ़ा तो उसने पीछे से हमला कर दिया।

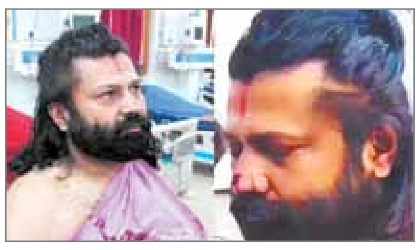

धारदार हथियार से उसने मेरी नाक काटने की कोशिश की। चेहरे और हाथ पर कई वार किए। गंभीर चोटें आईं। काफी खून बहा। आशुतोष ब्रह्मचारी के मुताबिक, वह किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे और ट्रेन के टॉयलेट में खुद को बंद कर लिया। वहीं से जीआरपी को फोन करके घटना की जानकारी दी। उन्होंने हमले के पीछे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद समेत अन्य को जिम्मेदार ठहराया है। फिलहाल, जीआरपी ने शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है। हमले पर शंकराचार्य ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- यह सब दिखावा है। आशुतोष माहौल बनाने और सुरक्षा पाने के लिए ऐसा कह रहे हैं। हमारे ऊपर आरोप लगाने का मकसद सिर्फ मीडिया का अटेंशन पाना है।

ईरान में नए सुप्रीम लीडर का नाम तय

जल्द हो सकता है ऐलान, इजरायली आर्मी की धमकी-फिर मार डालेंगे

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया है कि देश के मौलवी और संबंधित कमेटी अगले सुप्रीम लीडर को चुनने के करीब पहुंच गई है। माना जा रहा है कि अगले एक से दो दिन में अयातुल्लाह खामेनेई की जगह लेने वाले चेहरे के नाम का ऐलान कर दिया जाएगा। नए लीडर के चुनने की चर्चा के बीच इजरायल ने एक बार फिर हमले की धमकी दी है। इजरायली मिलिट्री ने कहा है कि खामेनेई की तरह उनके वारिस को भी मार दिया जाएगा। मेहर न्यूज एजेंसी ने रविवार को असेंबली ऑफ एक्सपर्ट के सदस्य अयातुल्ला मोहम्मद मेहदी मीरबाकेरी के हवाले से बताया है कि ईरान के अगले सुप्रीम लीडर को चुनने वाली संस्था जल्दी ही अपना फैसला सुना सकती है। उन्होंने बताया कि मौजूदा हालात में असेंबली की आमने-सामने मीटिंग मुमकिन नहीं है। ऐसे में फाइनल वोटिंग में कुछ समय लग रहा है। ईरान में नया नेता चुने जाने की चर्चा के बीच इजरायली मिलिट्री ने चेतावनी दी है कि वह ईरान का

अगला सुप्रीम लीडर बनने वाले व्यक्ति को मार डालेगी। आईडीएफ ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए है कि अली खामेनेई के बाद ईरानी शासन खुद को फिर से बनाने और नया नेता चुनने की कोशिश कर रहा है लेकिन उनको इसमें कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। इजरायली सेना ने आगे कहा, ईरान की एक्सपर्ट असेंबली नया लीडर चुनने को कोम शहर में इकट्ठा होगी। हम बताना चाहते हैं कि इजरायल सरकार का हाथ हर उत्तराधिकारी और उस व्यक्ति का पीछा करेगा, जो उनकी नियुक्त करना चाहता है। हम इस मीटिंग में हिस्सा लेने का इरादा रखने वालों को भी निशाना बनाएंगे। यह ईरानी नेताओं को खुली चेतावनी है।

ईरान में एक हफ्ते से बमबारी जारी

अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को को ईरान पर हमला करते हुए देश के सुप्रीम लीडर, 86 साल के अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या कर दी थी। इसके बाद ईरान नए सुप्रीम लीडर को चुनने की प्रक्रिया में है। असेंबली ऑफ एक्सपर्ट को नया नेता चुनने है। वहीं इजरायल इस प्रक्रिया को रोकना चाहता है। इजरायल ने ईरान की असेंबली ऑफ एक्सपर्ट के दफ्तर को भी निशाना बनाया है, जो नया सुप्रीम लीडर चुनेगी। ईरान के 36 साल तक देश के सुप्रीम लीडर रहे अली खामेनेई का कोई तय वारिस नहीं था।

अमेरिका और इजरायल के ईरान में हमले

अमेरिका और इजरायल ने शनिवार सुबह से ईरान में हमले शुरू किए हैं। इन हमलों में ईरान में 1500 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इसमें एक गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में 165 बच्चियों की मौत भी शामिल है। अमेरिका ने तेहरान और दूसरे बड़े शहरों में लगातार सरकारी इमारतों और दूसरे रिहायशी इलाकों को भी निशाना बनाया है। अमेरिका और इजरायल के जॉइंट हमले के ईरान ने जवाबी कार्रवाई में मिसाइलों से हमले किए हैं। ईरान ने इजरायल के शहरों में मिसाइल दागी हैं। साथ ही दुबई, अबू धाबी, कतर और बहरीन जैसे खाड़ी इलाकों में अमेरिका के सैन्य ठिकानों को भी ईरान ने निशाना बनाया है।

नीतिश के बेटे निशांत कुमार ने ली जेडीयू की सदस्यता

- बोले- पापा ने 20 साल जो किया मैं उसे जन-जन तक पहुंचाऊंगा

पटना (एजेंसी)। निशांत कुमार ने जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्यता ले ली है। पटना स्थित जेडीयू कार्यालय में निशांत कुमार ने जदयू की सदस्यता ली है। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने निशांत कुमार को पार्टी की सदस्यता दिलाई है। सदस्यता ग्रहण करने के बाद निशांत कुमार ने वहां मौजूद जदयू कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित भी किया। निशांत ने कहा, 'मैं एक सक्रिय सदस्य के रूप में पार्टी का ख्याल रखने की कोशिश करूंगा। मेरे पिता ने राज्यसभा जाने का निर्णय लिया है और मैं उसका सम्मान करता हूं। जनता और पार्टी ने जो मुझपर विश्वास किया है मैं उसपर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। पापा ने जो 20 साल में किया उसें मैं जन-जन तक पहुंचाने की कोशिश करूंगा। मेरा पिताजी ने जो किया है वो सभी को याद रहेगा।' निशांत कुमार ने अपने संबोधन में आगे कहा, मेरे पापा पर आप लोग अपना विश्वास कायम रखिएगा मैं उन्हीं के रास्ते पर चलूंगा।

बिहार में जदयू कार्यकर्ता जश्न में डूबे, खूब नाचे

इससे पहले निशांत कुमार के जदयू में शामिल होने को लेकर पटना में काफी हलचल रही। सदस्यता ग्रहण का यह कार्यक्रम वैसे तो दोपहर में ही होना था लेकिन पटना स्थित जदयू कार्यालय के बाहर काफी पहले से ही कार्यकर्ताओं का जुटना शुरू हो गया था। निशांत कुमार के स्वागत में हाथी-ऊंट भी मौजूद थे। इसके अलावा पार्टी वर्कर वहां बैंड-बाजे के साथ पहुंचे थे। पार्टी वर्कर निशांत कुमार और मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के समर्थन में जमकर नारेबाजी कर रहे थे और डांस भी कर रहे थे।

देश में पेट्रोल-डीजल की नहीं होगी किल्लत

- भारत के पास 4,000 करोड़ लीटर तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के दौरान भारत को कच्चे तेल की कमी नहीं होगी। भारत के पास अभी कच्चे तेल और रिफाइंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का 25 करोड़ बैरल (लगभग 4,000 करोड़ लीटर) से ज्यादा का स्टॉक है। सरकार की रिपोर्ट के अनुसार यह बैकअप इतना है कि अगर सप्लाई पूरी तरह रुक भी जाए, तो भी देश की पूरी सप्लाई चेन 7 से 8 हफ्तों तक आसानी से

चल सकती है। यानी आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल और दूसरे पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की कमी की कोई टेंशन नहीं है। यह रिपोर्ट उन दावों को खारिज करती है जिनमें कहा गया था कि भारत के पास केवल 25 दिनों का रिजर्व बचा है। सरकार ने साफ किया है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा अब किसी एक रूट या देश पर निर्भर नहीं है। 10 साल में 27 से बढ़कर 40 देशों तक पहुंच बढ़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की एनर्जी खरीद पूरी तरह से राष्ट्रहित पर आधारित है। पिछले 10 सालों में भारत ने अपने तेल सोर्सिंग के दायरे को काफी बढ़ाया है। एक दशक पहले भारत केवल 27 देशों से तेल खरीदता था, जो बढ़ा है।

कांग्रेस को हरियाणा राज्यसभा चुनाव में भितरघात का डर

वोटिंग के दिन तक विधायक दूसरी स्टेट में शिफ्ट होंगे, हिमाचल फर्स्ट चॉइस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी को हरियाणा में राज्यसभा की 2 सीटों के लिए होने वाले चुनाव में भीतरघात का डर सता रहा है। दिल्ली में बैठे पार्टी के थिंक टैंक ने हालात को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व को सलाह दी है कि वोटिग तक हरियाणा से कांग्रेस विधायकों को पार्टी शासित किसी दूसरे राज्य में शिफ्ट कर दिया जाए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इसके बाद कई वरिष्ठ विधायकों से उनकी पसंद के राज्य के बारे में पूछा गया है। विधायकों ने हिमाचल प्रदेश को अपनी पहली पसंद बताया है।

हालांकि, इस पर अंतिम फैसला आलाकमान ही लेगा। अगर कांग्रेस ने अपने विधायकों को स्टेट से बाहर शिफ्ट किया तो वह विधानसभा के मौजूदा बजट सेशन से एक-आध दिन दूर रह सकते हैं। हरियाणा से राज्यसभा की दोनों सीटों के लिए 16 मार्च को वोटिंग होगी। भाजपा ने संजय भाटिया और कांग्रेस ने कर्मवीर बौद्ध को अपना उम्मीदवार बनाया है जबकि भाजपा नेता सतीश नांदल ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया है।

नजदीक होने के कारण हिमाचल पहली चॉइस

देश में कांग्रेस की 3 राज्यों में बहुमत वाली सरकारें हैं- हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना। हिमाचल के अधिकांश पर्यटक स्थल हरियाणा के काफी नजदीक हैं, इसलिए कम दूरी और आने-जाने में आसानी पहली पसंद है। वहीं, हरियाणा से कर्नाटक की दूरी 1918 किलोमीटर है, जहां सड़क मार्ग से पहुंचने में कम से कम 31 घंटे का समय लगेगा। तेलंगाना का भी यही हाल है।

संख्या बल होने के बावजूद हार का इतिहास

हरियाणा में 2022 में हुए राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के कारण कांग्रेस के अजय माकन की हार हुई थी। उस समय कांग्रेस ने दलबदल रोकने के लिए अपने विधायकों को छत्तीसगढ़ भेजा था। पार्टी ने आरोप लगाया था कि कुलदीप बिश्नोई ने क्रॉस वोटिंग की थी, जबकि एक अमान्य वोट किरण चौधरी से जुड़ा था। वहीं, 2016 के हरियाणा राज्यसभा चुनाव में स्याही कांड के दौरान एक झटका लगा था, जब अलग-अलग स्याही से चिह्नित 12 वोटों को अमान्य घोषित कर दिया गया था, जिसके बाद कांग्रेस समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार आरके आनंद हार गए थे। हरियाणा कांग्रेस में लंबे समय से गुटीय राजनीति की चर्चा रही है।

क्रॉस वोटिंग पहली वजह

हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के पास 37 विधायक हैं। कांग्रेस के उम्मीदवार कर्मवीर सिंह बौद्ध को जीतने के लिए 31 कोटा वोटों की जरूरत है। हालांकि निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर सतीश नांदल चुनाव लड़ रहे हैं और जिन्हें कथित तौर पर बीजेपी का समर्थन मिला हुआ है। नांदल क्रॉस वोटिंग पर निर्भर हैं। ऐसे में कांग्रेस नहीं चाहती कि चुनाव में ऐसी कोई संभावना बने। राज्यसभा चुनाव में ओपन वोटिंग होती है। इसका सीधा मतलब है कि विधायकों को क्रॉस वोटिंग करने पर विधानसभा से अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता। कुलदीप नैयर बनाम भारत संघ मामले का हवाला देते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि राज्यसभा के चुनाव में ओपन वोटिंग से वोटर के अभिव्यक्ति के अधिकार पर पड़ने वाले प्रभाव का तर्क मान्य नहीं है।

बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन नहीं करेगी सरकार

भारत सरकार ने साफ किया रुख, लेकिन कड़ी होंगी शर्तें

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटल दुनिया में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चल रही बहस के बीच भारत सरकार ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। शीर्ष सरकारी सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के पक्ष में नहीं है। इसके बजाय, सरकार 18 वर्ष से कम उम्र के किशोरों के लिए एक नुआंस्ड और ग्रेडेड (बारीक और श्रेणीबद्ध) दृष्टिकोण अपनाने पर विचार कर रही है, जिसमें उम्र के हिसाब से अलग-अलग पाबंदियां तय की जाएंगी। एक रिपोर्ट में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से कहा है कि सरकार इस मुद्दे पर एक नया कानून लाने की

तैयारी में है, जिसे संसद के आगामी मानसून सत्र में पेश किया जा सकता है। प्रस्तावित नियमों के तहत बच्चों को तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है 8 से 12 वर्षः सबसे अधिक प्रतिबंधात्मक नियम। 12 से 16 वर्षः मध्यम स्तर की निगरानी और सीमाएं। 16 से 18 वर्षः अधिक स्वतंत्रता, लेकिन सुरक्षा मानकों के साथ। सरकार का मानना है कि आज की पीढ़ी पिछली पीढ़ियों की तुलना में अधिक जागरुक और परिपक्व है, इसलिए प्रतिबंध जैसा कठोर कदम उठाने के बजाय नियमों को तर्कसंगत बनाना बेहतर होगा। आईटी मंत्रालय के भीतर चल रही चर्चाओं में 'टाइम-बेस्ड लिमिट' (समय सीमा) का विकल्प सबसे ऊपर है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार कुछ ऐसे प्रावधानों पर विचार कर रही है जिनमें बच्चों को शाम या रात के समय सोशल मीडिया लॉग-इन करने की अनुमति न हो।

देश के सभी राज्यों के अलग-अलग सुर

हाल ही में आंध्र प्रदेश ने 13 वर्ष से कम और कर्नाटक ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन का प्रस्ताव रखा है। हालांकि, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग नियम से चिंतित है। कंपनियों का तर्क है कि अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग उम्र सीमा होने से तकनीकी रूप से इसे लागू करना बेहद जटिल होगा। यही कारण है कि केंद्र सरकार एक समान केंद्रीय कानून की दिशा में बढ़ रही है, ताकि पूरे देश में एक जैसे मानक लागू हों। फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों ने भी स्पष्ट किया है कि वे नियमों का पालन करेंगी, लेकिन नियम सभी ऐप्स पर समान रूप से लागू होने चाहिए ताकि किशोर असुरक्षित या अनियंत्रित साइटों की ओर न मुड़ें।

कांग्रेस ने बढ़ते प्रदूषण को लेकर साधा सरकार पर निशाना

- महासचिव जयराम रमेश ने एनएएक्यूएस की समीक्षा पर दिया जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने एक बार पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस ने बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए 2009 के 'नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स' (एनएएक्यूएस) की तत्काल समीक्षा और उन्नयन किए जाने की रविवार को मांग की और जोर देकर कहा कि इन्हें अधिक प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए। कांग्रेस के संचार मामलों के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि पीएम 56 इंच का पर्दाफाश हो गया है, पीएम 2.5 अब सच है।

दिल को गहरी चोट लगी, यह राष्ट्रपति और संविधान का अपमान: प्रधानमंत्री

- ममता सरकार पर बरसे पीएम मोदी, कहा-बंगाल की जनता सबक सिखाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 33500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने टीएमसी सरकार और ममता बनर्जी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान करने का आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा- ये राष्ट्रपति के अपमान के साथ-साथ देश के संविधान का भी अपमान है। पश्चिम बंगाल की जनता टीएमसी को एक नारी के अपमान के लिए एक राष्ट्रपति के अपमान के लिए कभी माफ नहीं करेगा। पीएम मोदी ने दुख प्रकट करते हुए जनता को संबोधित करते हुए कहा- दिल को गहरी चोट लगी है। आज भारत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना रहा है। कल पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार ने देश की राष्ट्रपति आदरणीय द्रौपदी मुर्मू जी का घोर अपमान किया है। द्रौपदी मुर्मू जी संथाल आदिवासी परगना के बहुत बड़े उत्सव में शामिल होने के लिए बंगाल गई थीं। लेकिन उस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आदिवासियों का गौरव करने के बजाय आदिवासियों और राष्ट्रपति का बहिष्कार किया। पीएम मोदी ने आगे कहा- संथाल आदिवासी समाज के लिए उन्होंने चिता की है। टीएमसी सरकार ने उस कार्यक्रम को बदइंतजामी के हवाले कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

प्रेग्नेंट नाबालिग का ऑपरेशन, नवजात को बेचने की साजिश, अस्पताल संचालक समेत 3 गिरफ्तार

पटना। पटना के गर्दनीबाग में 3 मार्च को एक नाबालिग लड़की अपने घर से गायब हो गई थी। इसके बाद परिजन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। सचिवालय एसडीपीओ-1 डॉ. अनु कुमारी ने कहा कि जिस शख्स को नामजद किया गया था, जांच के दौरान पता चला कि उस युवती से उसका प्रेम-प्रसंग था। जांच में पता चला कि युवक को पता चला था कि नाबालिग प्रेग्नेंट है। इसके बाद युवक ने अपनी मां के साथ मिलकर युवती का अवैध तरीके से संजीवनी अस्पताल सर्जरी करा दिया। एक नवजात बच्ची हुई। जिसे युवक और उसकी मां फेंकने चाहते थे, लेकिन संजीवनी अस्पताल की ओर से बेचने की नीयत से अपहरण करके दूसरी जगह छिपा दिया गया। इस मामले में अस्पताल के संचालक को अरेस्ट कर लिया गया है। फिलहाल इस मामले में 3 लोगों को अरेस्ट कर जेल भेजा गया है। एसडीपीओ ने कहा कि अस्पताल के जब वैलिड डॉक्युमेंट्स मांगे गए तो कोई डॉक्यूमेंट प्रबंधन की ओर से उपलब्ध नहीं कराए गए। अस्पताल के लाइसेंस से संबंधित भी कागजात नहीं मिले। इस अस्पताल के खिलाफ पटना सिविल सर्जन और जिला दंडाधिकारी को भी पत्र लिखे गए हैं। पुलिस ने मासूम को बरामद कर लिया है और उसे CWC को दिया गया है। वहीं, दूसरी तरफ नाबालिग को भी बरामद कर लिया गया है। उसका बयान दर्ज हुआ है। सर्जरी महिला डॉक्टर को करनी थी, लेकिन पुरुष डॉक्टर ने ही नियमों को ताक पर रखकर सर्जरी कर दी, जो बिल्कुल गलत है। पुलिस की ओर से डॉक्टर के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की छानबीन जारी है।

पहली पत्नी की डेथ एनिवर्सरी पर पवन सिंह का पोस्ट; ज्योति ने लिखा- आपकी जगह मुझे नहीं मिली

पटना। भोजपुरी एक्टर और सिंगर पवन सिंह ने अपनी पहली पत्नी नीलम देवी की डेथ एनिवर्सरी पर उनको याद किया है। पवन सिंह ने सोशल मीडिया X पर नीलम देवी की फोटो पोस्ट कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही एक इमोशनल पोस्ट भी शेयर किया है। जिसमें उन्होंने लिखा, 'आपके बिना अधूरा हूं, अधूरा ही रहूंगा।' वहीं, पवन सिंह की दूसरी पत्नी ज्योति ने भी पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा- आप जहां भी हो, भगवान अपने चरणों में स्थान दें। मुझे इस बात का अफसोस हमेशा रहेगा कि आपकी जगह मुझे कभी दिया ही नहीं गया। पवन सिंह और उनकी दूसरी पत्नी ज्योति सिंह के बीच तलाक का केस चल रहा है। इसके बावजूद ज्योति सिंह ने दो दिन पहले अपनी वेडिंग एनिवर्सरी के मौके पर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पवन सिंह के साथ पुरानी तस्वीर साझा कर उन्हें शादी की सालगिरह की बधाई दी थी। ज्योति सिंह की ओर से शेयर की गई तस्वीर में दोनों काफी खुश नजर आ रहे थे। फोटो में ज्योति सिंह मैरून रंग की साड़ी पहने, मांग में सिंदूर लगाए हुए पवन सिंह की बाहों में मुस्कराती दिखाई दे रही थी। इस तस्वीर के साथ उन्होंने 'Happy Anniversary' लिखकर पवन सिंह को बधाई दी थी। नीलम देवी और पवन सिंह की शादी 2014 में हुई थी। शादी के तीन महीने बाद 8 मार्च, 2015 को नीलम ने मुंबई में पवन सिंह के फ्लैट में पंखे से लटककर सुसाइड कर लिया। इस आत्महत्या के बाद पवन सिंह का नाम विवादों में घिर गया था।

महिला दिवस पर लिए गए 5 संकल्पःएम्पावरमेंट और जेंडर इक्वलिटी को बढ़ावा देने का टारगेट

हाजीपुर। वैशाली में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए पांच प्रमुख संकल्प लिए गए। इन संकल्पों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आजीविका से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना और समाज में उनके विरुद्ध होने वाली हिंसा व भेदभाव को समाप्त करना है। पहले संकल्प में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना (MMRY) के माध्यम से अधिक महिलाओं को आजीविका से जोड़ने पर जोर दिया गया। इसका लक्ष्य उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और श्रमबल में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। दूसरे संकल्प के अनुसार, महिलाओं के विरुद्ध किसी भी प्रकार की हिंसा, भेदभाव और उत्पीड़न का विरोध किया जाएगा। साथ ही, 'सुरक्षित रास्ता विकास का रास्ता' संदेश को गांव, पंचायत और समाज में प्रसारित करने का आह्वान किया गया। तीसरे संकल्प में बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने के लिए सजग रहने और कानून की जानकारी देने का प्रावधान है। इसमें अपने क्षेत्र में बाल विवाह न होने देने की प्रतिबद्धता भी शामिल है। चौथे संकल्प के तहत, समाज में लैंगिक समानता, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य किया जाएगा। इसका उद्देश्य अन्य महिलाओं और बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना भी है। अंतिम संकल्प में अपने कर्तव्यों का निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करते हुए एक सुरक्षित, सशक्त और समतामूलक समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया है।

हाजीपुर सदर अस्पताल से बाइक चोरी, टोकन लेकर पार्किंग एरिया में खाड़ी की थी गाड़ी, काम से आया था हॉस्पिटल

हाजीपुर। हाजीपुर सदर अस्पताल परिसर से शनिवार दोपहर करीब 3 बजे एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई। गोरौल थाना क्षेत्र के चांदपुरा कला गांव निवासी लालजी शाह ने इस संबंध में नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। लालजी शाह अपनी BR06Aw 3987 नंबर की मोटरसाइकिल से निजी काम के लिए अस्पताल आए थे। उन्होंने अस्पताल के मुख्य गेट पर पार्किंग का टोकन लेकर अपनी बाइक पार्किंग एरिया में खड़ी की थी। काम समाप्त होने के बाद जब वे वापस लौटे, तो मोटरसाइकिल गायब मिली। इस घटना के बाद मोटरसाइकिल मालिक लालजी शाह ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्किंग टोकन होने और गेट पर चार सुरक्षा गार्डों की तैनाती के बावजूद बाइक कैसे चोरी हो गई। लालजी शाह ने सुरक्षा गार्डों पर मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि गार्डों ने कूपन की जांच क्यों नहीं की। यह घटना अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। सदर अस्पताल में पहले भी लगातार बाइक चोरी की घटनाएं होती रही थीं। इन पर अंकुश लगाने के लिए अस्पताल प्रशासन ने पार्किंग टोकन सिस्टम शुरू किया था। इस सिस्टम के लागू होने के बाद दो महीने तक कोई बाइक चोरी नहीं हुई थी, लेकिन अब दो महीने बाद यह पहली चोरी की घटना सामने आई है। नगर थाना अध्यक्ष सिकंदर कुमार ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल में टोकन लेकर बाइक खड़ी की गई थी, जिसके बाद वह चोरी हो गई। उन्होंने इस घटना के लिए अस्पताल में तैनात गार्डों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। थाना अध्यक्ष के अनुसार, गार्डों ने या तो ठीक से टोकन की जांच नहीं की या उनकी मिलीभगत से बाइक चोरी हुई है।

चरित्र प्रमाण-पत्र में देरी को लेकर 3 थानाध्यक्षों पर कार्रवाई

हाजीपुर। वैशाली पुलिस अधीक्षक ने चरित्र प्रमाण पत्र बनाने में देरी के मामले में तीन थानाध्यक्षों पर आर्थिक दंड लगाया है। यह कार्रवाई बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम के तहत की गई है। पुलिस अधीक्षक वैशाली ने 7 मार्च 2026 को ऑनलाइन चरित्र प्रमाण पत्र आवेदनों के निष्पादन की समीक्षा की थी। इस दौरान पाया गया कि कुछ मामलों में निर्धारित समय-सीमा के बाद भी आवेदनों के निपटारे में देरी हुई थी। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, लालगंज, गोरौल और जुड़ावनपुर के थानाध्यक्षों पर पांच-पांच हजार रुपए का आर्थिक दंड लगाया गया है। यह राशि उनके वेतन से वसूल कर सरकारी खजाने में जमा की जाएगी। वैशाली पुलिस बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों का निष्पादन 14 दिनों के भीतर करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस अधीक्षक ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय-सीमा का पालन न करने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नशे की दवा और इंजेक्शन के साथ तीन गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना में प्रतिबंधित इंजेक्शन और टैबलेट के साथ तीन तस्कर पकड़े गए हैं। अगम कुआं इलाके के बाईपास एनआरएल पैट्रोल पंप के पास बिक्री के लिए झोले में प्रतिबंधित दवा रखकर तीनों कस्टमर का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली। उस लोकेशन पर पहुंचकर पुलिस ने जब संदेह के आधार पर इन तीनों की तलाशी ली तो इनके पास से प्रतिबंधित दवा बरामद की गई। जो अमूमन नशे के लिए इस्तेमाल की जा रही है। पुलिस की पूछताछ में तीनों ने बताया कि राम कृष्ण नगर के जकरियापुर में स्टोर कर के और भी बहुत सारी प्रतिबंधित दवा रखी गई है। इसके बाद इनकी निशानदेही पर छापेमारी करके गोदाम से तकरीबन 20 लाख की दवा बरामद की गई है।

नशे की दवा और इंजेक्शन बरामदः गिरफ्तार आरोपियों के पास से Alprazolam की 10800 टैबलेट, Lecgesic इंजेक्शन 60 पीस, Silent इंजेक्शन 52 पीस, Talgesic इंजेक्शन 59 पीस, Rainkout इंजेक्शन 10 पीस, Zepine इंजेक्शन 130 पीस, Unlabelled Ampules इंजेक्शन 90 पीस, Avil इंजेक्शन 10600 पीस, Fenargan इंजेक्शन 330 पीस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

बाहर से मंगाई जा रही थी दवाः अभी तक की पूछताछ में पुलिस को तस्करों ने बताया है कि पार्सल के जरिए दूसरे राज्यों से प्रतिबंधित दवा मंगा रहे थे। हालांकि स्पष्ट तौर पर राज्य का नाम नहीं बताया है ना ही मुख्य सरगना के बारे में पुलिस को बताया है। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि तीनों तस्करों को रिमांड पर लेकर उनसे पूछताछ की जाएगी। दवा कहां से मंगाई जा रही थी, इसके स्रोत के बारे में पता लगाया जाएगा।

♦ बाजार में दवा की अनुमानित कीमत 20 लाख, तस्करों से होगी पूछताछ

जल्ला हनुमान मंदिर में अब होगी नवग्रह शांति पूजा

एजेंसी, पटना

पटना के जल्ला हनुमान मन्दिर में नवग्रह पूजा की सुविधा मिलेगी। आज मूर्तियों की स्थापना होगी। मन्दिर परिसर में नवग्रह मंडप बनाकर वेदी पर 9 ग्रहों की स्थापना की जाएगी। प्रत्येक ग्रह की अलग-अलग मूर्ति, जो कसौटी पत्थर की है, महाबलीपुरम से मंगायी गई है। इस वेदी पर श्रद्धालु स्थापना के बाद ग्रह शान्ति और ग्रह-पूजन कर सकेंगे। महावीर मंदिर स्थान न्यास समिति की ओर से इसे संचालित किया जाएगा।

एक वेदी पर विभिन्न दिशाओं में मूर्तियां स्थापित होगीः कल पंचांग-पूजा, मंडप-पूजा और मूर्तियों का अधिवास किया गया। आज एक वेदी पर विभिन्न दिशाओं में मूर्तियां स्थापित कर पूरे नक्षत्र-चक्र की भी स्थापना होगी। महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने कहा कि, 'इस इलाके के लोगों को अब नवग्रह पूजा कराने में सहुलियत हो जाएगी। महावीर मन्दिर पटना के शोध पदाधिकारी पंडित भवनाथ झा की देखरेख में यह स्थापना होगी। नवग्रह मूर्तियों की स्थापना के मौके पर भी काफी संख्या में भक्त मौजूद रहेंगे।'

पिछले साल महावीर मंदिर में हुई थी नवग्रह मंडप की स्थापनाः पिछले साल महावीर मंदिर में भी नवग्रह मंडप की स्थापना की गई थी। मंडप के बीचों-बीच नवग्रह वेदी बनाई गई है, जिसमें सभी नौ ग्रहों की मूर्ति है। इसमें सभी ग्रहों की दिशाएं अलग-अलग है। इसमें सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु और केतु को शास्त्रीय विधि के अंतर्गत स्थापित की गई है। इस नवग्रह के चारों ओर 27 नक्षत्र का मंडल है। इसके अलावा एक शिवलिंग की भी स्थापना की गई है।

राज्यपाल की पत्नी समाजसेवी रेशमा आरिफ को मिला सम्मान

❑ विमेंस डे पर ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी का आयोजन, कई फेमस डॉक्टर्स रहीं शामिल

एजेंसी, पटना

8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पटना ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी ने होटल मौर्या में एक सीएमई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया। सोसाइटी ने बिहार की पहली महिला और प्रसिद्ध समाजसेवी (राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां की पत्नी रेशमा आरिफ को सामाजिक कार्यों और महिलाओं के कल्याण के क्षेत्र में उनके प्रेरणादायक योगदान के लिए सम्मानित किया।

अध्यक्ष बोलीं- स्वास्थ्य सेवा मजबूत बना रही महिलाएंः इस मौके पर सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा मिश्रा चौधरी ने कहा, आज के दौर में महिला डॉक्टर महिलाओं के सशक्तिकरण को आगे बढ़ा रहीं। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

डॉ. कुमकुम सिन्हा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्डः सोसाइटी की पूर्व अध्यक्ष डॉ. कुमकुम सिन्हा को महिलाओं के स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके अमूल्य और आजीवन योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिला। इस कार्यक्रम में पटना की कई प्रतिष्ठित स्त्री-रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहीं, जिनमें पद्मश्री से सम्मानित डॉ. शांति रॉय, डॉ. मंजू गीता मिश्रा, डॉ. प्रमिला मोदी, डॉ. सुषमा पांडेय, डॉ. अलका पांडेय, डॉ. विनीता सिंह, निब्हा मोहन, डॉ. मीना सामंत, डॉ. रंजना सिन्हा सहित सोसाइटी के अन्य अनेक सम्मानित सदस्य शामिल हुए। इस मौके पर महिला शक्ति की भावना का उत्सव मनाया गया। स्वास्थ्य सेवा और समाज में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिलाओं के समर्पण को सराहा गया।

पटना में ब्लैकमेलिंग में युवक की हत्या का खुलासा

न्यूड वीडियो भेज कर किया ब्लैकमेल, प्रेमिका और देवर ने मिलकर किया मर्डर

एजेंसी, पटना

पटना के परसा बाजार थाना क्षेत्र में एक साल पहले मिले युवक के शव के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पटना पुलिस ने जांच के बाद इस हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 18 मार्च 2025 को बरामद हुए इस शव की पहचान उस समय नहीं हो पाई थी। युवक की गला रेतकर हत्या की गई थी और शरीर पर धारदार हथियार के निशान थे।

जहानाबाद के युवक की हुई पहचानः मामले की जानकारी देते हुए पूर्वी SP परिचय कुमार ने बताया कि, मृतक की पहचान जहानाबाद के महादेव शाह के तौर पर हुई है। पुलिस ने सीडीआर रिपोर्ट के आधार पर मृतक की प्रेमिका पुष्पा देवी, उसके देवर आलोक कुमार और एक ऑटो चालक सन्नी कुमार को अरेस्ट कर लिया है। फिलहाल इस घटना में शामिल एक आरोपी फरार है।

ब्लैकमेल से परेशान था परिवारः पूछताछ में आरोपी आलोक ने पुलिस को बताया है कि, 'साल 2022 में पुष्पा देवी की शादी अभिमन्यु पासवान से हुई थी। शादी से पहले से ही महादेव शाह के संपर्क में थी। दोनों में प्रेम प्रसंग चल रहा था। शादी के बाद महादेव शाह भाभी को न्यूड वीडियो और तस्वीर भेज कर ब्लैकमेल कर रहा था। शादी के बाद भी संबंध बनाना चाहता था। इस बात से पूरा परिवार परेशान चल रहा था। 17 मार्च और 18 मार्च यानी घटना वाले दिन भाभी ने उसे फोन करके बुलाया था। मैं और मेरा दोस्त गांव के एक ऑटो में उसे बैठाकर सुनसान जगह पर ले गए और हत्या कर दी।'

दरोगा की तैयारी करने पटना आया था आरोपीः महिला का आरोपी देवर आलोक कुमार गांव में ही निजी मेडिकल क्लिनिक अपना चला रहा था। घटना के बाद मेडिकल दुकान बंद कर पटना में दरोगा की तैयारी करने चला आया। दूसरा आरोपी महेंद्रू इलाके में ही रहकर तैयारी कर रहा था।

गिरफ्तारी के वक्त छत से आरोपी ने लगाई छलांगः आलोक को पटना पुलिस ने महेंद्रू इलाके के हॉस्टल से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने हॉस्टल से छलांग लगा दी। जिसमें पैर की हड्डी टूट गई है। पुलिस को तीन मोबाइल फोन मिले हैं, जिसमें मृतक का भी एक टूटा मोबाइल शामिल है।

जदयू के नेताओं को थाने से छोड़ा गया, निशांत कुमार की जॉइनिंग से पहले पुलिस ले गई थी, हंगामे की आशंका थी

एजेंसी, पटना

पटना में जनता दल (यू) कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम से पहले जदयू के कुछ कार्यकर्ताओं और नेताओं को पुलिस ने एहतियातन थाने में बैठा लिया। ये वही कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं जो पिछले एक साल से निशांत कुमार को सक्रिय राजनीति में लाने की मांग कर रहे थे। सीएम के राज्यसभा जाने का विरोध कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार पुलिस को आशंका थी कि कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यालय में विरोध या हंगामा हो सकता है, इसलिए एहतियात के तौर पर कुछ नेताओं को थाने में बैठाया गया।

संजय झा और ललन सिंह के विरोध की आशंकाः सूत्रों का कहना है कि पुलिस को इस बात की जानकारी मिली थी कि जदयू कार्यालय में कुछ कार्यकर्ता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं संजय झा और ललन सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। इसी आशंका को देखते हुए पुलिस ने पहले ही कुछ नेताओं को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने से रोक दिया और उन्हें थाने में बैठा दिया। हालांकि कार्यक्रम समाप्त होने के बाद दोपहर करीब 3 बजे पुलिस ने सभी नेताओं को छोड़ दिया। इसके बाद ये नेता जदयू कार्यालय पहुंचे और पूरे घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया दी।ाँ

नेताओं ने साजिश का लगाया आरोपः जदयू नेता चंदन पटेल ने कहा कि वह लोग पिछले दो साल से निशांत कुमार को राजनीति में लाने की मांग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस दिन उनकी पार्टी में जॉइनिंग थी, उसी दिन उन्हें साजिश के तहत थाने में बैठा दिया गया। चंदन पटेल ने कहा कि निशांत कुमार आज पार्टी में शामिल हुए, लेकिन उस ऐतिहासिक मौके पर वे लोग मौजूद नहीं रह सके। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें काफी दुख हुआ है। वहीं जदयू नेता वरुण कुमार ने भी इसी तरह के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वह लोग कई दिनों से इंजीनियर निशांत को राजनीति में लाने की मांग कर रहे थे। अब जब उन्होंने पार्टी जॉइन कर ली और सक्रिय राजनीति में कदम रखा, तो कुछ लोगों की साजिश के कारण उन्हें कार्यालय में आने ही नहीं दिया गया।

पीएम मोदी की तस्वीर से छेड़छाड़ के बाद बढ़ी सतर्कताः बताया जा रहा है कि बीते दिन पटना स्थित जदयू कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आई थी। तस्वीर पर कालिख पोत दी गई थी, जिसके बाद पार्टी और प्रशासन दोनों सतर्क हो गए थे। इसी घटना को देखते हुए पुलिस को आशंका थी कि कार्यक्रम के दौरान फिर से किसी तरह का विरोध या हंगामा हो सकता है। यही वजह थी कि जदयू के नेता चंदन पटेल और अभय पटेल समेत कुछ अन्य लोगों को एहतियातन थाने में बैठा कर रखा गया था।

निशांत ने जदयू जॉइन की

एजेंसी, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री के बेटे निशांत कुमार 8 मार्च यानी रविवार को JDU की सदस्यता ली। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद नहीं रहे। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने निशांत को पार्टी की सदस्यता दिलाई। ललन सिंह ने उन्हें पार्टी का गमछा पहनाया। पार्टी की सदस्यता लेने के बाद निशांत ने ललन सिंह और संजय झा के पैर छुए। निशांत ने कहा, 'मैं पार्टी के लिए मेहनत से काम करूंगा। मेरे पिताजी ने 20 साल में जो काम किए हैं, मैं उन्हें आगे बढ़ाऊंगा। राज्यसभा जाने का फैसला मेरे पिताजी का है। बिहार की जनता और देश की जनता से अपील करता हूं कि पिताजी पर विश्वास बनाए रखें।'

इससे पहले निशांत में अपने पिता नीतीश की स्टाइल में हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। वे सफेद कुर्ते और क्रॉक्स चप्पल में पहुंचे। इस दौरान नीतीश कुमार और निशांत कुमार जिंदाबाद के नारे लगते रहे। बिहार की CM कैसा हो निशांत कुमार जैसा हो के भी नारे लगे। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता ललन सिंह जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं ने कहा कि सिर्फ निशांत कुमार के समर्थन में नारे लगेंगे। इसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और ललन सिंह समर्थकों के बीच जमकर मारपीट हुई।

♦ बोले- पापा पर भरोसा रखिए, उनके काम को आगे ले जाऊंगा, पार्टी कार्यकर्ताओं-ललन सिंह समर्थकों में हुई मारपीट

कार्यकर्ताओं में मारपीट के दौरान जदयू ऑफिस में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि हंगामे के दौरान विधायक नचिकेता मंडल के साथ भी मारपीट की कोशिश की गई। स्थिति को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

पटना में 200 से अधिक अवैध होर्डिंग हटे

एजेंसी, पटना

बिहार के सभी शहरों में अवैध होर्डिंग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। राज्य के 38 जिलों के 264 नगर निकायों में 11 हजार से अधिक अवैध होर्डिंग मामले में लगभग 20 लाख रुपए दंड राशि की वसूली की गई है। वहीं, पटना नगर क्षेत्र में अभी तक 200 से अधिक अवैध होर्डिंग के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है, जबकि 250 से अधिक होर्डिंग हटाने के लिए नोटिस भेजा जा चुका है। पटना नगर निगम के अंतर्गत अबतक 54 विज्ञापन एजेंसियों का 107.12 करोड़ रुपए बकाया है, जिसके भुगतान के लिए नोटिस भेजा गया है।

पटना में सबसे अधिक पाटलिपुत्र अंचल में 59 अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं, जबकि कंकड़बाग अंचल में 89 अवैध होर्डिंग के खिलाफ नोटिस भेजा गया है। पटना नगर निगम क्षेत्र में बिना अनुमति सार्वजनिक स्थलों, सड़कों के किनारे, विद्युत पोल, सरकारी परिसरों, निजी भवन या अन्य स्थानों पर लगाए गए विज्ञापन सामग्री, यूनिपोल, होर्डिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। निजी भवनों की छतों और दीवारों पर बिना वैध अनुमति लगाए गए होर्डिंग के विरुद्ध नोटिस जारी किए जा रहे हैं। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि अवैध बैनर-पोस्टर लगाने वाले विज्ञापनकर्ताओं से विभाग राजस्व गबन करने वाले आर्थिक अपराधी की तरह निपटने की तैयारी कर रहा है।

चैती छठः पांच करोड़ में तैयार होंगे पटना के घाट

एजेंसी, पटना

चैती छठ 2026 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है। इसे लेकर पटना नगर निगम ने भी अपनी कमर कस ली है। 20 मार्च तक घाटों को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें 5 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। शहर के विभिन्न अंचलों में घाटों की सफाई, सुरक्षा और सुंदरीकरण होगा। तैयारियों के तहत घाटों पर अस्थायी बैरिकेडिंग, दलदली क्षेत्रों में बालू भराई, बांस की चाली बिछाने, लाइटिंग आदि की व्यवस्था की जाएगी। नगर निगम की ओर से टेंडर प्रक्रिया चल रही है। घाट निर्माण के साथ साज-सज्जा, अतिरिक्त लाइटिंग और पार्किंग जैसे कामों को 22 मार्च तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

पाटलिपुत्र अंचल में बड़े पैमाने पर की जा रही तैयारीः पाटलिपुत्र अंचल में चैती छठ की तैयारियां सबसे बड़े पैमाने पर की जा रही हैं। इस अंचल के प्रमुख घाटों के लिए 1 करोड़ 72 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। इसके तहत पाटीपुल पूर्वी व पश्चिमी घाट, कलेक्ट्रेट घाट, बांसघाट, एलसीटी घाट और घाट संख्या 93, 88 और 83 पर विशेष सुधार कार्य कराए जाएंगे।

अजीमाबाद अंचल से लेकर पटना सिटी के घाटों पर काम जारीः अजीमाबाद अंचल के गाय घाट, सीढ़ी घाट और महाराज घाट से लेकर पटना सिटी के कंगन घाट व अन्य को तैयार किया जाएगा। कंकड़बाग अंचल में पार्कों के भीतर बने तालाबों को व्रतियों के लिए तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही नूतन राजधानी अंचल के महुआबाग, बीएमपी-5, पटना जू, मानिकचंद तालाब, पंच मंदिर, बेउर और अदालतगंज तालाब जैसे प्रमुख के लिए करीब 72 लाख रुपये रुपये खर्च किए जाएंगे।

♦ पाटलिपुत्र अंचल में 1.72 करोड़ का बजट तय, 20 मार्च तक काम पूरा करने का डेडलाइन

काली घाट से पथरी घाट तक 97.79 लाख से संवरेंगे घाटः बांकीपुर अंचल के अंतर्गत आने वाले गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 97 लाख 79 हजार रुपए की योजना बनाई गई है। इसमें काली घाट, कदम घाट, पटना कॉलेज घाट, गांधी घाट और लॉ कॉलेज घाट जैसे महत्वपूर्ण स्थल शामिल हैं। काली घाट से लेकर पथरी घाट तक के पूरे स्ट्रेच को एलइडी लाइट्स से रोशन किया जाएगा। इसके साथ ही कदम घाट से चौधरी टोला घाट के बीच स्थित सभी सार्वजनिक शौचालयों की मरम्मत और सफाई का जिम्मा भी लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

शराब के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई, 600 लीटर से अधिक शराब बरामद, छह गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी करते हुए शराब कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अलग-अलग जगहों पर हुई कार्रवाई में 600 लीटर से अधिक शराब बरामद की गई है तथा कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सभी मामलों में संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पताही थाना क्षेत्र में पुलिस ने भूरखाल छोटिया पुल के पास छापेमारी कर एक मारुति कार से ले जाई जा रही 579 पीस नेपाली सोफिया शराब बरामद की। बरामद शराब की कुल मात्रा 173.700 लीटर बताई गई है। मौके से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। छौड़ादानों थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 180 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बंजरिया थाना क्षेत्र के झखिया इलाके में छापेमारी कर लगभग 250 लीटर देशी शराब बरामद की गई है। जितना थाना क्षेत्र में एसएसबी के साथ संयुक्त छापेमारी करते हुए सैनिक रोड जोलगांवा से एक मोटरसाइकिल पर ले जाई जा रही 338 बोतल नेपाली शराब बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा 101.4 लीटर बताई गई है। इसके अलावा जयबजरंग थाना क्षेत्र में ग्राम मझौलिया से एक मोटरसाइकिल पर ले जा रहे 30 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। वहीं कुंडवाचैनपुर थाना क्षेत्र में नेपाल सीमा के पास ग्राम बलुआ गुआवाड़ी के समीप एक मोटरसाइकिल पर रखे 24 लीटर नेपाली शराब को पुलिस ने बरामद किया है। ढाका थाना क्षेत्र में भी गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 61 पीस नेपाली रिलैक्स शराब बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा 18.3 लीटर बताई गई है। पुलिस का कहना है कि शराब तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है और इस धंधे में शामिल लोगों के नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

जन सुराज पार्टी के सौजन्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

बीएनएम @ मोतिहारी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को जन सुराज पार्टी के सौजन्य से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महिला अध्यक्ष पूर्णिमा भारती ने की। इस अवसर पर महिलाओं के सशक्तिकरण और समाज में उनकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में जन सुराज पार्टी की महिला पदाधिकारी कुसुम देवी, कौशल्या देवी, सुधा वर्मा, मोनिका शर्मा, रानी पाठक, सलोनी कुमारी सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं। साथ ही दरभंगा से मिसेज इंडिया खुशबू कुमारी, संत जार्ज हाई स्कूल के डायरेक्टर डॉ. ज्योति झा, डॉ. अतुल कुमार की पत्नी, बीए एपी +2 की प्राचार्य रजनी जी तथा महिला शक्ति की अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में बीना विश्वकर्मा भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को शिक्षा, स्वावलंबन और समाज में उनकी भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। सभी उपस्थित महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अधिवक्ता अभय कुमार द्वारा दी गई है।

विद्यालय की कुव्यवस्था उजागर करना पड़ा महंगा, एचएम के आवेदन पर सात गिरफ्तार, शिक्षा विभाग सवालो के घेरे में

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना क्षेत्र में सरकारी विद्यालय की व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर वायरल करना कुछ युवकों को भारी पड़ गया। प्रधानाध्यापक के आवेदन पर पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने भ्रामक वीडियो बनाकर शिक्षकों को धमकाया और सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की। जानकारी के अनुसार हरसिद्धि थाना कांड संख्या 140/26, दिनांक 7 मार्च 2026 के तहत दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में रौनक कुमार (20) पिता त्रिलोकी सिंह, निवासी रंजीता बाबू टोला वार्ड-15, पंकज कुमार (23) पिता सुरेंद्र यादव एवं उसकी पत्नी रविना यादव (23) दोनों निवासी मठलोहियार, उपकार पांडेय (21) पिता जयप्रकाश पांडेय निवासी हरसिद्धि वार्ड-06, विकास सिंह (26) पिता चुमन सिंह, अभिषेक सिंह (21) पिता चुमन सिंह दोनों निवासी धनखरैया रंजीता तथा झुन्नू सिंह (40) पिता स्व. रामबली सिंह निवासी रंजीता वार्ड-15 शामिल हैं। सभी आरोपी हरसिद्धि थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए जाते हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों द्वारा फेसबुक और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विद्यालय से संबंधित वीडियो पोस्ट किए जा रहे थे। इन वीडियो में विद्यालय के शिक्षकों और प्रधानाध्यापक को निशाना बनाते हुए कथित तौर पर भ्रामक बातें प्रसारित की जा रही थीं, जिससे शिक्षकों को डराने-धमकाने तथा विद्यालय के शैक्षणिक कार्य में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा था। इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक अभिनय कुमार ने हरसिद्धि थाने में आवेदन दिया था। आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी ऋषभ कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से झूठी और भ्रामक सामग्री प्रसारित कर सरकारी कर्मियों को धमकाने तथा सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में यह कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। हालांकि, इस कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में चर्चा भी तेज हो गई है। कुछ अभिभावकों का कहना है कि वायरल वीडियो में विद्यालय की कथित अव्यवस्थाओं को भी दिखाया गया था, लेकिन उस पहलू पर अब तक शिक्षा विभाग या वरीय अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर विद्यालय की व्यवस्था की भी जांच कराने की मांग की है।

देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में 55वां सद्गुरु महायज्ञ एवं 21 दिवसीय राम नाम महा संकीर्तन का शुभारंभ

बीएनएम @ मोतिहारी

ब्रह्मलीन योगीराज श्री देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में हनुमान ध्वज की पूजा एवं स्थापना के साथ 55वें सद्गुरु महायज्ञ, संगीतमय श्रीराम कथा तथा 21 दिवसीय श्रीराम नाम महा संकीर्तन का विधिवत शुभारंभ रविवार को हो गया। इस अवसर पर डॉ. जय गोविंद प्रसाद ने यजमान के रूप में हनुमान ध्वज का पूजन किया। यज्ञ संयोजक सह सचिव राम भजन ने बताया कि 9 मार्च से 29 मार्च तक 21 यजमानों के सहयोग से राकेश कुमार की मंडली द्वारा 21 दिवसीय श्रीराम नाम महा संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। आश्रम अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 19 मार्च को सुबह 8 बजे आश्रम परिसर से दिव्य झांकियों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो नगर भ्रमण करेगी। वहीं 19 मार्च से 27 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे से श्रीराम नवमी तक संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन होगा। कथा का वाचन वृंदावन धाम से पधारे कथा प्रवक्ता श्री देवव्रत जी महाराज द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यज्ञ को सफल एवं दिव्य बनाने में यज्ञ संयोजक राम भजन, सह संयोजक रंजीत कुमार, सचिव डॉ. जय गोविंद प्रसाद, चंद्रशेखर प्रसाद, रंजन कुमार, अजय कुमार, कृष्ण कुमार, कन्हैया प्रसाद (अधिवक्ता), पप्पू कुमार, दिलीप केसरी, अशोक सिंह, द्वारिका प्रसाद, अशोक गुप्ता, सुधीर कुमार, नेहाल कुमार सहित अन्य श्रद्धालु सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

महिला दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, प्लान इंडिया ने महिलाओं को किया सशक्तिकरण के लिए प्रेरित

बीएनएम @ मोतिहारी/पताही

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पताही प्रखंड मुख्यालय में महिलाओं के अधिकार और सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एचडीएफसी बैंक के सहयोग से प्लान इंडिया (एनजीओ) द्वारा ग्रामीण विकास परियोजना 'परिवर्तन' के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं और युवतियां शामिल हुईं। वक्ताओं ने महिलाओं की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समाज में उनकी बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से ही समाज का समग्र विकास संभव है। इस दौरान उपस्थित महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोक संगीत प्रस्तुत करने वाली बच्चियों को सम्मानित किया गया, जिससे आयोजन का माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आकांक्षा, मुस्कान कुमारी, युधिष्ठिर, अवनीश कुमार, प्रमोद कुमार और अमलेश कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं कार्यक्रम का संचालन नवल और साधना ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण का संकल्प

बीएनएम @ मोतिहारी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले के रक्सौल में अतिरिक्त वन स्टॉप सेंटर का विधिवत उद्घाटन बिहार सरकार के समाज कल्याण विभाग मंत्री मदन सहनी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इसके पश्चात अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल मनीष कुमार ने रिबन काटकर केंद्र का औपचारिक उद्घाटन किया।कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय विधायक प्रमोद सिंहा सहित अन्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। अपने संबोधन में विधायक श्री सिंहा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रक्सौल को वन स्टॉप सेंटर की सौगात मिलना क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र संकट की घड़ी में महिलाओं के लिए सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करेगा और उन्हें त्वरित सहायता प्रदान करेगा। वहीं अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि प्रशासन महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से पीड़ित महिलाओं को कानूनी सहायता, चिकित्सा सुविधा और परामर्श जैसी सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी, जिससे उन्हें अलग-अलग संस्थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इस अवसर पर एसएसबी 47वीं बटालियन, रक्सौल के सहायक कमांडेंट रजत मिश्रा ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और इस केंद्र के माध्यम से एसएसबी तथा स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) सह नोडल पदाधिकारी महिला एवं बाल विकास निगम विनीता कुमारी ने बताया कि मिशन शक्ति के अंतर्गत स्थापित यह केंद्र महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं अनुमंडल अस्पताल रक्सौल की उपाधीक्षक स्वाति स्वपन ने कहा कि स्वस्थ महिला ही सशक्त समाज की नींव है। वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से पीड़ित महिलाओं को तत्काल चिकित्सा सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श और अन्य आवश्यक सेवाएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो सकेगा। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के साथ एक संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला परियोजना प्रबंधक वीरेंद्र राम ने किया। जिला मिशन समन्वयक निधि कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित महिलाओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक दीक्षा कुमारी, काउंसलर खुशबू कुमारी, केस वर्कर मीता कुमारी एवं सुनीता कुमारी सहित महिला एवं बाल विकास निगम के कर्मी निर्भय कुमार, शैलेश कुमार, रितेश कुमार, शशि प्रकाश यादव, ऋतिक राज एवं अमरेंद्र कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जीविका द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

रविवार 8 मार्च को "जीविका" के तत्वाधान में शहर के राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत जिला पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार सिंह एवं जीविका समूह की दीदियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई। मौके पर जिला पदाधिकारी ने उपस्थित महिलाओं को शुभकामनाएँ देते हुए अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के उद्देश्य एवं महत्त्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में महिलाओं के प्रति सरकार काफी सजग है तथा महिलाओं के अधिकारों को हर संभव सर्वोच्च स्थान दिया जा रहा है। साथ ही सरकार अपनी सभी योजनाओं को महिलाओं तक पहुँचाने के लिए वचनबद्ध है। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित सभी महिलाओं को अपने रोजगार, सम्मान एवं अधिकारों के लिए शपथ भी दिलाई गई। जिले भर से आई कई जीविका दीदियों ने अपने जीवन में हुए विकास के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि जीविका समूह से जुड़कर एवं सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर किस प्रकार वे आज अपने परिवार के साथ सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इस क्रम में चकिया प्रखंड से आई नीलम देवी ने बताया कि जीविका समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने अनेक कार्य करते हुए अपने गाँव में एक अलग पहचान बनाई है। वहीं पताही प्रखंड से आई रश्मि संध्या जो जीविका दीदी अधिकार केंद्र की समन्वयक के रूप में कार्य कर रही हैं, उन्होंने बताया कि इस पहल से उनके सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में काफी सुधार हुआ है। चकिया प्रखंड की मुन्नी देवी ने महिलाओं के जीवन स्तर को शिक्षा के माध्यम से बेहतर बनाने की अपील की और कहा कि शिक्षा से बड़ी कोई संपत्ति नहीं होती। उन्होंने यह भी बताया कि वे अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं। कार्यक्रम के दौरान कई जीविका दीदियों को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन जीविका की अधिकारी रीना कुमारी ने किया तथा जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक प्रभारी सौरभ कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर संचार प्रबंधक राकेश प्रसाद, राजू कुमार पासवान, अभिषेक आनंद, अमित कुमार, नीलम तिवारी, सामंथा रानी, सूरज कुमार विश्वकर्मा सहित जीविका के जिला एवं प्रखंड स्तरीय महिलाकर्मी, अधिकारी तथा सैकड़ों जीविका दीदियाँ एवं कैडर उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय लीफ आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने अनोखे अंदाज में दी युवा नेता निशांत कुमार को बधाई

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार की कला जगत में एक बार फिर अपनी अनोखी प्रतिभा से पहचान बनाने वाले भारत के प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय लीफ आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने युवा नेता निशांत कुमार को एक खास अंदाज में बधाई दी है। उन्होंने पीपल के छोटे से हरे पत्ते पर अद्भुत कलाकृति बनाकर "Welcome to JDU – Congrats Nishant" (वेलकम टू जदयू- कांग्रेट्स निशांत) लिखते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रकट की हैं। मधुरेंद्र कुमार ने लगभग 5 घंटे के कठिन परिश्रम के बाद करीब 3 सेंटीमीटर के पीपल के पत्ते पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बधाई देते निशांत कुमार की मनमोहक तस्वीर उकेरी है। इस बारीक और अनोखी लीफ आर्ट में उन्होंने "जदयू में आपका स्वागत है – बधाई हो निशांत" का संदेश भी अंकित किया है। मधुरेंद्र ने बताया कि इस कलाकृति के माध्यम से उन्होंने युवा नेता निशांत कुमार को शुभकामनाएं देते हुए यह संदेश देने की कोशिश की है कि वे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाएं और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। कहा कि यह अनोखी कलाकृति सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। लोग इस बारीक और अद्भुत कला की जमकर सराहना कर रहे हैं। बिहार भर में यह लीफ आर्ट इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है और कला प्रेमी इसे बेहद पसंद कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एलएनडी कॉलेज में 'लैंगिक संवेदनशीलता एवं समता' विषयक कार्यशाला आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में रविवार को आईक्यूएसी के सौजन्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पीएम उषा संपोषित एक दिवसीय लैंगिक संवेदनशीलता एवं समता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ एमिटी यूनिवर्सिटी पटना से आईं सहायक प्राध्यापिका डॉ. संज्ञा पांडेय, पटना वीमेन्स कॉलेज से आईं सहायक प्राध्यापिका डॉ. विनीता प्रियदर्शी तथा आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य सहित सभी शिक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष-सह-आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य ने दोनों अतिथियों को पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। एमिटी यूनिवर्सिटी पटना से आईं अतिथि डॉ. संज्ञा पांडेय ने पीपीटी के माध्यम से लैंगिक संवेदनशीलता के ज्वलंत मुद्दों को प्रस्तुत करते हुए सेक्स और जेंडर के अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि सेक्स एक जैविक (बायोलॉजिकल) शब्द है, जबकि जेंडर एक सामाजिक व्यवहार से जुड़ा हुआ है। उन्होंने लैंगिक संवेदनशीलता के विभिन्न पहलुओं—जागरूकता व शिक्षा, व्यवहारिक परिवर्तन तथा रूढ़िवादी मान्यताओं—पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज सामाजिक समानता के स्थान पर सामाजिक समता की मांग तेज हो रही है, जहां अलग-अलग महिलाओं की क्षमताओं को पहचानते हुए उन्हें आवश्यकतानुसार सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। वहीं पटना वीमेन्स कॉलेज से आईं अतिथि सहायक प्राध्यापिका डॉ. विनीता प्रियदर्शी ने वैदिक काल, मध्यकाल, आधुनिक काल से लेकर समकालीन परिदृश्य तक नारी विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को बाहरी चुनौतियों के साथ-साथ कई बार महिलाओं द्वारा ही शोषण का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मलाला युसूफजई का उदाहरण देते हुए कहा कि क्षेत्रीय भिन्नताओं के अनुसार महिलाओं की समस्याएं भी अलग-अलग होती हैं। कहीं शिक्षा प्राप्ति के लिए आंदोलन हो रहा है तो कहीं सहभागिता के लिए संघर्ष जारी है। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता संग्राम, अंतरिक्ष, परिवहन, विज्ञान, कृषि, उद्योग और बैंकिंग जैसे अनेक क्षेत्रों में महिलाएं सफलता प्राप्त कर रही हैं, फिर भी समाज में मौजूद कई बेड़ियों को तोड़ने की आवश्यकता है। दोनों अतिथियों ने अपने व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम को वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष अरविंद कुमार, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रविरंजन सिंह, अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. ज्योत्स्ना कुमारी तथा मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कुमारी मनीषा ने भी संबोधित किया। गणित विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार ने कार्यक्रम की रिपोर्ट तैयार की। बीबीए समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार कृष्णा ने मंच का सफल संचालन किया, जबकि राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश रंजन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा महाविद्यालय की महिला विशेषांक ऑनलाइन पत्रिका "दस्तक" का विमोचन भी किया गया। इस पत्रिका में महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा क्षेत्र में जाकर संकलित किए गए तथ्य और अनुभव प्रकाशित किए गए हैं। बीसीए विभाग के विद्यार्थी आदित्य कुमार द्वारा तैयार पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन क्विज का आयोजन किया गया और उसका मूल्यांकन भी किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों की सृजनशीलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। इस अवसर पर प्रतिभागियों में अभिषेक, रिया, निकिता, हिमांशु, गुलशन, कृति, अंकिता, आरती और परवेज सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

रक्सौल में डॉग स्क्वॉड के साथ पुलिस की सघन छापेमारी, अपराधियों की तलाश तेज

बीएनएम @ मोतिहारी/रक्सौल। पूर्वी चंपारण के रक्सौल अनुमंडल क्षेत्र में अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस ने डॉग स्क्वॉड की सहायता से सघन छापेमारी अभियान चलाया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रक्सौल के नेतृत्व में रक्सौल, नकरदेई और हरैया थाना की पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। इस अभियान में जर्मन शेफर्ड और लैब्राडोर प्रजाति के प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड को शामिल किया गया है। पुलिस के अनुसार इन विशेष रूप से प्रशिक्षित कुत्तों की मदद से मादक पदार्थों की तस्करी, चोरी और हत्या जैसे गंभीर मामलों की जांच को तेज करने में सहायता मिलेगी। पुलिस टीम द्वारा डॉग स्क्वॉड की सूंघने की क्षमता का उपयोग करते हुए संदिग्ध स्थानों की जांच और छापेमारी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि इससे अपराधियों तक पहुंचने, साक्ष्य जुटाने और आरोपियों की पहचान करने में काफी मदद मिलती है।

मधुबन में बाइक चोरी गिरोह का खुलासा, 14 मोटरसाइकिल के साथ 5 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के मधुबन थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल चोरी कर फर्जी कागजात के आधार पर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार करते हुए चोरी की कई मोटरसाइकिल और उपकरण बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार 7 मार्च 2026 को मधुबन थाना को गुप्त सूचना मिली कि ग्राम धबौलिया में चोरी की मोटरसाइकिलों का नंबर प्लेट और इंजन नंबर बदलकर फर्जी कागजात तैयार कर उनकी खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पकड़ीदयाल चंदन कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साहेब कुमार उर्फ विक्की राज, रोहित कुमार, दीपक कुमार, नीरज कुमार और सत्येंद्र महतो को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पूर्वी चंपारण और शिवहर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी की गई। इस दौरान कुल 14 चोरी की मोटरसाइकिल, 6 स्मार्ट कार्ड, मोटरसाइकिल के चेसिस और इंजन नंबर पंच करने वाले 12 उपकरण तथा खरीद-बिक्री से संबंधित कई दस्तावेज बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार आरोपी चोरी की मोटरसाइकिलों का नंबर प्लेट और इंजन नंबर बदलकर फर्जी कागजात तैयार करते थे और उन्हें बाजार में बेच देते थे।

रास्ते के विवाद में मारपीट, पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार

बीएनएम @ बेतियाः नौतन थाना क्षेत्र अंतर्गत भगवानपुर पंचायत के फुलियाखाड़ गांव में रास्ता बाधित करने को लेकर उपजा विवाद अब हिंसक रूप ले चुका है। वार्ड नंबर 3 निवासी कौशल्या देवी ने थाने में ऑनलाइन आवेदन देकर अपने पड़ोसियों—डोमा राम, रंगलाल राम और बिगु राम सहित अन्य पर घर का रास्ता बांस के ढाठर से घेरने और विरोध करने पर मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, 5 मार्च 2026 की सुबह आरोपियों ने उनके साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया और पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी।इस घटना ने तब और तूल पकड़ लिया जब पीड़िता के पुत्र रोहित राम ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर सुरक्षा की गुहार लगाई। रोहित का दावा है कि 'डायल 112' पर कई बार सूचना देने के बावजूद मौके पर कोई जांच करने नहीं आया, जिससे परिवार में दहशत का माहौल है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पासवान ने कहा है कि आवेदन प्राप्त हुआ है और जांच के उपरांत दोषियों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से दिया सशक्तिकरण का संदेश

बीएनएम @ पश्चिम चंपारण (बगहा)ः अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के संदीक्षा परिवार द्वारा रविवार को नारी सशक्तिकरण एवं जागरूकता पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत ने कहा कि आज महिलाएं अपनी प्रतिभा और परिश्रम से हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रही हैं। उन्होंने समाज के प्रति महिलाओं की निष्ठा और साहस की सराहना करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण कड़ी बताया।समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद की उपसभापति रश्मि रंजन और जन शक्ति फाउंडेशन की लक्ष्मी खत्री उपस्थित रहीं। इस दौरान संदीक्षा सदस्यों और बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भाषण प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कमांडेंट ने सीमा क्षेत्र में महिलाओं के अधिकारों, उनकी सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता फैलाने में वाहिनी की अग्रणी भूमिका पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन महिलाओं को सम्मानित करने और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

पत्नी से परेशान होकर आश्रम चले गए थे सत्यप्रकाश

6 महीने बाद वृंदावन में मिले सत्यप्रकाश साह

बीएनएम @ भागलपुर । भागलपुर के तिलकामांझी थाना क्षेत्र से करोड़ों की जमीन डील के बाद लापता हुए सत्यप्रकाश साह का मामला अब पूरी तरह स्पष्ट हो गया है। करीब छह महीने की मशक्कत के बाद पुलिस ने उन्हें उत्तर प्रदेश के वृंदावन से सुरक्षित बरामद कर लिया है। दरअसल, मुंदीचक निवासी डॉक्टर कुंदन साह ने जुलाई 2025 में सत्यप्रकाश से 1 करोड़ 28 लाख 16 हजार रुपये में जमीन खरीदी थी, जिसका पूरा भुगतान चेक के माध्यम से किया गया था। रजिस्ट्री होने के बावजूद खरीदार को कब्जा नहीं मिला और इसी बीच सत्यप्रकाश के अचानक गायब होने से इलाके में अपहरण की अफवाहें फैल गई थीं।तिलकामांझी पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान के जरिए सत्यप्रकाश का लोकेशन ट्रेस किया और एसआई शशि भूषण कुमार के नेतृत्व में टीम ने उन्हें एक आश्रम से बरामद किया। भागलपुर कोर्ट में दर्ज कराए गए बयान में सत्यप्रकाश ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि उनका अपहरण नहीं हुआ था, बल्कि वे पारिवारिक कलह और पत्नी से परेशान होकर स्वेच्छा से घर छोड़कर चले गए थे। इस बयान ने अपहरण की कहानी को पूरी तरह झूठा साबित कर दिया है। हालांकि, पुलिस अब जमीन के कब्जे और पैसों के लेनदेन से जुड़े कानूनी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है ताकि खरीदार को न्याय मिल सके।

महिला दिवस पर उत्कृष्ट सेवा के लिए जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य कर्मियों को किया सम्मानित

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को समाहरणालय स्थित सभागार में जिला प्रशासन एवं जिला न्यायालय के जिला न्यायाधीश तथा उनकी टीम के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाली महिला कर्मियों को उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने इन महिलाओं के योगदान को जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ बताते हुए उनके कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम की रूपरेखा महिलाओं की दैनिक दिनचर्या और उनकी दोहरी जिम्मेदारियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई थी। अक्सर महिलाएं सुबह के समय घरेलू कार्यों और खाना बनाने में व्यस्त रहती हैं, इसलिए उनकी सुविधा के लिए रविवार होने के बावजूद कार्यक्रम का समय सुबह 11 बजे निर्धारित किया गया, ताकि वे पारिवारिक जिम्मेदारियों से निवृत्त होकर मानसिक शांति के साथ इस संवाद का हिस्सा बन सकें। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक रेहान अशरफ ने महिलाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए प्रेरणादायक संदेश साझा किया। उन्होंने कहा कि जिले की हर उस महिला को सलाम है जो समाज को मजबूती दे रही है। उन्होंने कहा, "आप अपनी सोच से कहीं अधिक मजबूत हैं। आपकी भावनाएं, आपकी आवाज और आपके सपने समाज के लिए बहुत मायने रखते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप स्वयं बहुत अनमोल हैं, इसलिए अपनी अहमियत और अपनी सेहत को कभी कमतर न आंकें, क्योंकि यह दुनिया आपके होने से ही अधिक सशक्त है।" उन्होंने यह भी कहा कि दूसरों की सेहत का ध्यान रखने वाली महिला स्वास्थ्य कर्मी अक्सर अपने खान-पान की अनदेखी कर देती हैं। दोपहर 2 या 3 बजे तक भोजन टालने की आदत एसिडिटी और एनीमिया जैसी समस्याओं को जन्म देती है, जिससे बचना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान एनीमिया जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं पर भी चर्चा की गई और स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला कर्मियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित होने वाली महिला कर्मियों में औराई की एएनएम किरण कुमारी को इमरजेंसी रूम में सक्रियता के लिए, बंदरा की एएनएम विभा कुमारी को प्रसव सेवाओं सहित 'अंतरा' कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन के लिए, बोचहां की जीएनएम श्वेता डांगी को लेबर रूम में उनकी मुस्तैदी के लिए, सकरा की एफपीसी शशि मुक्ता को परिवार नियोजन और गर्भनिरोधक सेवाओं में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तथा सदर अस्पताल की डीईओ निशा कुमारी को एसएनसीयू विभाग में बेहतर डाटा प्रबंधन और कार्य संपादन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि महिलाएं अपनी कीमत को पहचानें, आत्मनिर्भर बनें और अपनी सेहत के प्रति भी हमेशा सजग रहें। महिलाओं के योगदान और उनके समर्पण को सम्मानित करते हुए पूरे कार्यक्रम में महिला शक्ति के प्रति गर्व और सम्मान का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

अरेराज में सांप्रदायिक सौहार्द की मिसालः मंटू दुबे के आवास पर इफ्तार में उमड़ा जनसैलाब

बीएनएम @अरेराज

पूर्व नगर पंचायत मुख्य पार्षद मंटू दुबे के आवास पर आयोजित भव्य इफ्तार पार्टी ने गंगा-जमुनी तहजीब की एक अनुपम मिसाल पेश की। इस गरिमामयी आयोजन में नगर और आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में रोजेदार शामिल हुए, जिससे पूरा परिसर भक्ति और भाईचारे के रंग में सराबोर नजर आया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने एक साथ दस्तरख्वान पर बैठकर इफ्तार किया और सामूहिक नमाज अदा की, जिसमें देश की सुख-समृद्धि, आपसी भाईचारे और अमन-चैन के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं। इस अवसर पर नगर उपाध्यक्ष अहमद अली आजाद ने रमजान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पवित्र महीना हमें धैर्य, संयम और एक-दूसरे के प्रति प्रेम का संदेश देता है। कार्यक्रम में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय और पूर्व मुखिया अभय तिवारी जैसे प्रमुख व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। सभी अतिथियों ने एक-दूसरे को गले लगकर रमजान की मुबारकबाद दी और सामाजिक एकता को मजबूत करने वाले इस सफल आयोजन की जमकर सराहना की। मेजबान मंटू दुबे ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी गण्यमान्य जनों और रोजेदारों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि त्योहार समाज के हर वर्ग को एक सूत्र में पिरोने का सबसे सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल सामाजिक समरसता बढ़ती है, बल्कि आपसी विश्वास भी गहरा होता है। कार्यक्रम में भारी संख्या में स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध जनों की भागीदारी रही, जिससे पूरा वातावरण सांप्रदायिक सौहार्द और सकारात्मकता से ओतप्रोत दिखा।

महिला दिवस पर एसएसबी की पहल, ग्रामीण युवतियों के साथ दौड़ प्रतियोगिता आयोजित

बीएनएम @मोतिहारी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 71वीं वाहिनी एसएसबी मोतिहारी के "डी" समवाय कोरैया के कार्यक्षेत्र के पचपोखरिया गांव में ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महिलाओं को उनके अधिकारों, समाज में समान अवसर और महिला शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के तहत वाइब्रेंट गांव (VVP-II) चंद्रमन में गांव की युवतियों और एसएसबी की महिला बलकर्मियों के बीच फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत सामूहिक महिला दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल गतिविधियों के प्रति जागरूक करना है। खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) द्वारा 6 से 8 मार्च तक देशभर में विभिन्न खेल व फिटनेस गतिविधियों के आयोजन के लिए प्रेरित किया गया है, ताकि लोगों में स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा मिल सके। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण युवतियों को फिटनेस अपनाने और खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।

महिला दिवस पर अरेराज अनुमंडल में नारी शक्ति का सम्मान, योजनाओं के नाम पर किया गया वृक्षारोपण

बीएनएम @अरेराज

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के मार्गदर्शन में अरेराज अनुमंडल में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अनुमंडल प्रशासन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि समाज के निर्माण और विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और प्रशासन जैसे हर क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ही राष्ट्र के समग्र विकास का आधार है। इस अवसर पर अनुमंडल कार्यालय परिसर में विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। पर्यावरण संरक्षण के साथ महिला सशक्तिकरण का संदेश देने के उद्देश्य से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, लखपति दीदी, जीविका, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान और सुकन्या समृद्धि जैसी सरकारी योजनाओं के नाम पर पौधे लगाए गए। प्रशासन का मानना है कि इन योजनाओं की तरह ही लगाए गए पौधे भी भविष्य में समाज को समृद्धि और सकारात्मक संदेश देंगे। सम्मानित होने वाली महिलाओं में जीविका दीदी सुनीता गुप्ता, मेधावी छात्राएं मानसी कुमारी, पलक कुमारी और मुन्नी कुमारी शामिल रहीं। कृषि क्षेत्र में अर्चना गुप्ता तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रिया कुमारी को सम्मानित किया गया। स्वरोजगार के क्षेत्र में लेदर बैग उत्पादन के लिए मुन्नी खातून, स्वास्थ्य सेवा में योगदान के लिए डॉ. उषा मिश्रा और हजारों महिलाओं का नेतृत्व करने वाली कमला देवी को भी उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अनुमंडल के विभिन्न प्रखंडों के विकास पदाधिकारी अदित्य नारायण दीक्षित, निर्वाचन पदाधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और महिलाओं के सम्मान को सुनिश्चित करने का संकल्प दोहराया।

शिक्षा और आत्मनिर्भरता से ही बदलेगी महिलाओं की तकदीरः विजया सिंह

बीएनएम @ बगहा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड प्रमुख विजया सिंह ने विभिन्न गांवों का दौरा कर महिलाओं के बीच सशक्तिकरण की अलख जगाई। उन्होंने महिलाओं को उनके मौलिक अधिकारों, शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। विजया सिंह ने जोर देकर कहा कि 8 मार्च का दिन समाज में महिलाओं के सम्मान और समानता को समर्पित है।आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और देश की प्रगति में समान भागीदारी निभा रही हैं। प्रखंड प्रमुख ने महिलाओं से अपील की कि वे शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएं और समाज में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान महिलाओं ने अपनी समस्याओं और सुझावों को भी साझा किया, जिस पर प्रमुख ने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस पहल से क्षेत्र की महिलाओं में भारी उत्साह और जागरूकता का संचार हुआ है।

गूंगी महिला से बदसलूकी पर पंचायत का तुगलकी फरमान

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर

» युवक पर आर्थिक दंड के साथ किया अमानवीय व्यवहार
» कानून हाथ में लेने वालों पर होगी सख्त कार्रवाईः डीएसपी

मुजफ्फरपुर जिले के औराई थाना क्षेत्र स्थित बसंत पंचायत से कानून को ठेंगा दिखाने वाली एक सनसनीखेज तस्वीर सामने आई है। यहाँ एक दिव्यांग (गूंगी) महिला के साथ छेड़खानी के आरोप में ग्रामीणों ने कानून हाथ में लेते हुए युवक को अमानवीय सजा दी। पंचायत के 'फरमान' पर युवक का आधा सिर मुंडवा दिया गया, चेहरे पर कालिख लगाई गई और फिर उसे पूरे गांव में घुमाकर अपमानित किया गया।

क्या है पूरा मामला?- मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक मूल रूप से सीतामढ़ी का रहने वाला है और लंबे समय से औराई में बस गया है। उस पर गांव की ही एक दिव्यांग महिला से बदसलूकी का आरोप लगा। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों का आक्रोश भड़क गया। पुलिस को सूचना देने के बजाय आनन-फानन में पंचायत बुलाई गई। भरी सभा में युवक पर 5001 रुपये का जुर्माना लगाने के साथ ही उसका सिर मुंडवाकर उसे गांव की गलियों में घुमाया गया। हैरान करने वाली बात यह रही कि इस दौरान लोग तमाशबीन बने रहे और वीडियो बनाते रहे।

पुलिस की कार्रवाई- इस अमानवीय कृत्य का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में खलबली मच गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी ईस्ट (वन) अलय वत्स ने बताया कि वीडियो संज्ञान में आया है और इसकी गहनता से जांच की जा रही है।

तुरकौलिया पूर्वी पंचायत में सुकन्या समृद्धि योजना कैंप, करीब 100 बच्चियों के खुले खाते

बीएनएम @ तुरकौलिया

प्रखंड के तुरकौलिया पूर्वी पंचायत भवन में डाक विभाग मोतिहारी की ओर से सुकन्या समृद्धि योजना को लेकर विशेष कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुटी। कार्यक्रम को सफल बनाने में पंचायत के मुखिया विनय कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनकी पहल पर सैकड़ों लोग कैंप में पहुंचे। कैंप में मौजूद डाक विभाग के अधिकारियों ने लोगों को सुकन्या समृद्धि योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत 1 से 10 वर्ष तक की बच्चियों के नाम पर खाता खोला जाता है। अभिभावक इसमें सालाना 250 रुपये से लेकर 1.50 लाख रुपये तक जमा कर सकते हैं। बच्ची के 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर वह जरूरत के अनुसार आधी राशि निकाल सकती है, जबकि 21 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद पूरी राशि निकाली जा सकती है। मुखिया विनय कुमार ने कहा कि यह योजना बेटियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए बेहद लाभकारी है। इससे बेटियों की शिक्षा और भविष्य को लेकर परिवारों की चिंता कम होगी और समाज में बेटियों को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि कैंप के दौरान करीब 100 बच्चियों के खाते खोले गए। वहीं कुछ बच्चियों के आधार कार्ड नहीं होने के कारण उनका खाता नहीं खुल सका, लेकिन कैंप में ही उनका आधार कार्ड बनवाया गया है। जल्द ही दोबारा कैंप लगाकर बाकी बच्चियों के खाते भी खोले जाएंगे। कैंप में डाक निरीक्षक पश्चिमी अनुमंडल मोतिहारी कमलेश प्रसाद साह, शाखा प्रबंधक रत्नेश कुमार, डाक अधीक्षक चुन्नू कुमार सहित तुरकौलिया उप डाकघर के सभी डाककर्मी मौजूद रहे।

न्यायिक उत्तर ढूंढना आलसी नजरिया

बदले राजनीतिक माहौल में अदालतें न्यायिक सक्रियता दिखाने में खुद को असमर्थ पा रही हैं, तो समाज का एक हिस्सा इसे दायित्व निर्वहन से मुंह मोड़ना मानेगा। बहरहाल, संदेश यही है कि राजनीतिक प्रश्नों का न्यायिक उत्तर ढूंढना आलसी नजरिया है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने स्वीकार किया है कि कथित गौ-रक्षकों की अवैध गतिविधियों और भीड़ की हिंसा को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में जो 'सामान्य दिशा-निर्देश जारी किए, उनकी निगरानी कोर्ट के लिए संभव नहीं रह गई है। तब सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को दिशा-निर्देश दिए थे। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा था कि नस्ल, जाति, वर्ग या धर्म का बिना ख्याल किए सभी नागरिकों की ऐसे अपराधों से रक्षा करना सरकार का दायित्व है। बेंच ने ऐसी घटनाओं को रोकने, पीड़ितों से इंसाफ और मुजरिमों को दंडित करने के लिए कई उपाय तय किए। सरकारों से कहा गया कि इन उपायों पर अमल कर वे सुप्रीम कोर्ट में अनुपालना रिपोर्ट पेश करें। जाहिर है, ऐसा नहीं हुआ। उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद उस तरह की घटनाएं जारी हैं। उनका भी जिक्र करते हुए पिछले साल सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल हुई, जिसमें संबंधित अधिकारियों पर अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की गुजारिश की गई। तभी कोर्ट ने कहा था कि विभिन्न स्थलों और विभिन्न राज्यों में हुई मॉब लिंचिंग एवं हिंसा की 'सूक्ष्म निगरानी करना उसके लिए संभव नहीं है। यही बात जस्टिस सूर्य कांत दोहराई है। कहा है कि अदालत को ऐसे मामलों में 'सामान्य दिशा-निर्देश देने के बजाय हर मामले पर अलग सुनवाई करनी चाहिए। इस तरह चीफ जस्टिस ने अदालती दायरे की पुनर्व्याख्या की है। संवैधानिक नजरिए से इसमें खोट नहीं निकाली जा सकती। मगर अतीत में खुद न्यायालयों ने स्वतः संज्ञान के जरिए संवैधानिक भावना की रक्षा की भूमिका अपनाई थी। इसे 'न्यायिक सक्रियता कहा गया। मगर बदले राजनीतिक माहौल में अदालतें इस भूमिका को अपनाए रखने में खुद को असमर्थ पा रही हैं, तो नागरिक समाज का एक हिस्सा इसे दायित्व निर्वहन से न्यायपालिका के मुंह मोड़ने के रूप में देखेगा।

राज्यसभा के रास्ते नीतीश कुमार का वानप्रस्थ गमन!

मनोज कुमार अग्रवाल

नीतीश कुमार ने अब राज्यसभा का पर्चा भर कर वानप्रस्थ गमन का रास्ता चुन लिया है। पिछले करीब 20 सालों से बिहार की राजनीति के केंद्र में नीतीश कुमार का दबदबा रहा है। सरकारें बदलीं, गठबंधन बदले, चुनाव आए-गए, लेकिन एक छोटी सी अवधि को छोड़ दिया जाए तो मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नीतीश कुमार ही बने रहे। 2005 से बिहार की राजनीति को दिशा देने वाले इस नेता ने अब राज्यसभा जाने की तैयारी कर ली है, और इसके साथ ही सूबे की सियासत में एक बड़ा बदलाव शुरू होने वाला लगता है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा राज्यसभा का नामांकन भरने से यह बात स्पष्ट हो गयी है कि बिहार की राजनीति से एक युग का अब अवसान होने जा रहा है। बिहार की राजनीति में पिछले दो दशकों से यदि किसी एक नेता का सबसे अधिक प्रभाव रहा है, तो वह नाम है नीतीश कुमार। वर्ष 2005 से लेकर अब तक बिहार की सत्ता का केंद्र लगभग लगातार उनके इर्द-गिर्द ही घूमता रहा है। अलग-अलग गठबंधनों, बदलते राजनीतिक समीकरणों और कई चुनावी उतार-चढ़ावों के बावजूद उन्होंने मुख्यमंत्री पद पर अपनी पकड़ बनाए रखी। ऐसे में नीतीश के द्वारा मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने का ऐलान बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। अगर देखा जाए लगभग साढ़े तीन दशकों तक बिहार की राजनीति दो नामों के इर्द-गिर्द भूमती रही, ये दो नाम हैं लालू प्रसाद यादव और नीतीश। इन दोनों नेताओं ने न केवल बिहार की सत्ता को आकार दिया, बल्कि राज्य की सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक दिशा भी तय की। अब जब दोनों ही नेता सक्रिय राजनीति से दूर हो रहे हैं, तब बिहार एक नए दौर के मुहाने पर खड़ा दिखाई दे रहा है। 1990 के दशक में जब लालू प्रसाद यादव सत्ता में आए, तब बिहार की राजनीति में एक नई सामाजिक चेतना का उदय हुआ। लालू ने सामाजिक न्याय को केवल एक राजनीतिक नारा नहीं रहने दिया, बल्कि इसे एक आंदोलन का रूप दिया। पिछड़े वर्गों, दलितों और वंचित समुदायों की राजनीतिक भागीदारी को उन्होंने केंद्र में रखा। लंबे समय से सत्ता के गलियारों से दूर रहे वर्गों को उन्होंने राजनीतिक पहचान और आवाज दी। सत्ता की भाषा बदली, राजनीतिक चेहरे बदले और शासन के केंद्र में सामाजिक प्रतिनिधित्व की नई धारा दिखाई देने लगी। इसमें कोई दोमत नहीं है कि जेपी आंदोलन से निकले नेताओं की एक पूरी पीढ़ी ने पिछले तीन दशकों तक बिहार की राजनीति को दिशा दी। इस पीढ़ी में पुरानी पीढ़ी के पीछे हटने का अर्थ है कि बिहार की राजनीति में नई पीढ़ी के नेताओं को अवसर मिलेगा। इन सबके बीच अगर बात नीतीश की की जाए तो, बिहार की राजनीति में उनकी भूमिका केवल एक मुख्यमंत्री की नहीं रही है, बल्कि वे लंबे समय तक राज्य की राजनीति के सर्वमान्य नेता रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं के लोग भी उन्हें स्वीकार करते रहे हैं। गठबंधन की राजनीति में कई बार वैचारिक मतभेद होने के बावजूद उन्होंने गठबंधन धर्म निभाया और राजनीतिक संतुलन बनाए रखा। उनकी खास पहचान उनकी सामाजिक योजनाओं और प्रशासनिक छवि से बनी। खास तौर पर महिलाओं के बीच उनकी पकड़ काफी मजबूत रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी महिलाओं का समर्थन एनडीए की जीत का एक बड़ा कारण माना गया था। इसी कारण जब तक वह बिहार की राजनीति में सक्रिय थे, तब तक विपक्षी दलों के लिए उन्हें सीधे चुनौती देना आसान नहीं था। हालांकि, इसी दौर में बिहार की छवि पर कई सवाल भी उठे। कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हुई और जंगलराज जैसे शब्द राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन गए। विकास की रफ्तार धीमी पड़ने और उद्योगों के बंद होने से बिहार की अर्थव्यवस्था कमजोर होती गई। राज्य से बड़े पैमाने पर पलायन शुरू हुआ और बिहार प्रवासी मजदूरों के प्रदेश के रूप में पहचाना जाने लगा। चीनी मिलों, जूट फैक्ट्रियों और कई छोटे उद्योगों के बंद होने से रोजगार के अवसर घटते गए। इस दौर में बिहार की पहचान सामाजिक न्याय की राजनीति के साथ-साथ पिछड़ेपन और आर्थिक संकट से भी जुड़ने लगी। साल 2005 में बिहार की राजनीति ने एक बड़ा मोड़ लिया जब नीतीश कुमार सत्ता में आए। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव की शुरुआत भी थी। नीतीश कुमार ने सामाजिक न्याय की राजनीति को विकास और प्रशासनिक सुधारों के साथ जोड़ने की कोशिश की। उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी और बिहार में सड़कों तथा पुलों का व्यापक जाल बिछाया। राज्य के दूरदराज इलाकों को राजधानी पटना से बेहतर तरीके से जोड़ने का प्रयास किया गया। एक समय ऐसा था जब बिहार के कई जिलों से पटना पहुंचने में पूरा दिन लग जाता था, लेकिन सड़क नेटवर्क के विस्तार के बाद यात्रा का समय काफी कम हो गया। यह बदलाव केवल भौतिक संरचना का नहीं था, बल्कि राज्य की मानसिकता और विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम था। नीतीश कुमार ने शासन को अधिक प्रशासनिक रूप देने की कोशिश की और कानून-व्यवस्था को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाया। उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई कई योजनाओं ने समाज पर गहरा प्रभाव डाला। छात्राओं के लिए साइकिल योजना ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नया बदलाव लाया। पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण देने से स्थानीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी। छात्रवृत्ति और प्रोत्साहन योजनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा दिया। इन कदमों ने बिहार की सामाजिक संरचना को धीरे-धीरे बदलने में भूमिका निभाई। नीतीश कुमार की छवि सुशासन बाबू के रूप में स्थापित हुई। उन्होंने प्रशासनिक सुधार, कानून-व्यवस्था और बुनियादी विकास को अपनी राजनीति का आधार बनाया। उनके शासनकाल में बिहार की छवि धीरे-धीरे बदलने लगी। राष्ट्रीय स्तर पर भी बिहार को विकास के नए प्रयासों के संदर्भ में चर्चा मिलने लगी। बिहार के विकास में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जायेगा। बिहार में सड़कों, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में जो बदलाव हुए, उससे राज्य में परिवर्तन आया। मगर भूलना नहीं चाहिए कि राजनीति में बदलाव हमेशा अनिश्चितता लेकर आता है। नीतीश के संभावित फैसले से भी बिहार की राजनीति में कई नए सवाल खड़े हो रहे हैं। क्या जदयू अपनी पुरानी ताकत बनाए रख पाएगी? क्या भाजपा बिहार में अपना मुख्यमंत्री चनाएगी ? क्या नई पीढ़ी के नेताओं को मौका मिलेगा ? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या नीतीश कुमार राष्ट्रीय राजनीति में नई भूमिका निभाएंगे ? इन सभी सवालों के जवाब आने वाले समय में ही मिलेंगे। लेकिन इतना तय है कि कुमार का यह फैसला केवल एक व्यक्ति के पद परिवर्तन की कहानी नहीं है। यह बिहार की राजनीति के एक लंबे अध्याय के समापन और एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत है। आपको बता दें नीतीश का राज्यसभा जाना सिर्फ पद का बदलाव नहीं है; यह करीब 5 दशक लंबी राजनीतिक यात्रा का एक नया अध्याय भी हो सकता है। हाल ही में नीतीश कुमार ने खुद कहा है कि अपनी लंबी राजनीतिक जिंदगी में वे बिहार विधानसभा के सदस्य, विधान परिषद के सदस्य और लोकसभा के सांसद रह चुके हैं। अब वे राज्यसभा में भी सेवा देना चाहते हैं। और उसके बाद अगर उन्हें केंद्र सरकार में कोई भूमिका मिली, तो बिहार की राजनीति का यह बड़ा चेहरा फिर से राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते दिख सकता है। राजनीति में समय के साथ भूमिकाएं बदलती रहती हैं, लेकिन कुछ नेता ऐसे होते हैं जिनकी छाया लंबे समय तक बनी रहती है। नीतीश भी ऐसे ही नेताओं में गिने जाते हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनकी भूमिका चाहे समाप्त हो जाए, लेकिन बिहार और राष्ट्रीय राजनीति में उनकी मौजूदगी आगे भी चर्चा और प्रभाव का विषय बनी रहेगी। चूंकि अब यह एक राजनीति की नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं, ऐसे में लंबे समय से बिहार की राजनीति में प्रभाव रखने वाले कुमार के लिए राज्यसभा एक ऐसा मंच हो सकता है जहां से वे राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी भूमिका जारी रख सकें। 2020 के बाद एनडीए में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बन गई थी। सीटों की संख्या साफ दिखा रही थी कि भाजपा के पास ज्यादा विधायक हैं, फिर भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही रहे। आखिर ऐसा क्यों? इसके 2 मुख्य कारण अक्सर बताए जाते हैं। पहला कारण उनकी सामाजिक आधार है। बिहार में नीतीश कुमार ने अति पिछड़े वर्गों और महिला मतदाताओं से बहुत मजबूत जुड़ाव बनाया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पंच परिवर्तन कार्यक्रम और सामाजिक परिवर्तन

प्रहलाद सबनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। यदि हम इन सौ वर्षों की यात्रा पर दृष्टि डालें तो स्पष्ट दिखाई देता है कि संघ के स्वयंसेवकों ने समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय योगदान दिया है। विचार, संगठन और कार्य के स्तर पर संघ ने निरंतर समाज जीवन को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास किया है। प्रारम्भ में सीमित दायरे में प्रारंभ हुआ संघ का कार्य समय के साथ व्यापक और बहुआयामी होता गया। समाज की बदलती आवश्यकताओं को समझते हुए स्वयंसेवक विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय हुए और समाज परिवर्तन के वाहक बने। संघ के मूल उद्देश्य के अनुरूप देश में हिंदुत्व के जागरण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस जागरण का प्रभाव समाज के विभिन्न वर्गों में दिखाई देने लगा है। जाति, वर्ग, भाषा या क्षेत्र के आधार पर जो भेदभाव लंबे समय से समाज में मौजूद थे, उनमें धीरे-धीरे कमी आ रही है। अनेक राष्ट्रीय और सांस्कृतिक अवसरों पर हिंदू समाज की एकता और संगठन की भावना स्पष्ट रूप से सामने आई है। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन, अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा तथा कुंभ जैसे विशाल आयोजनों ने समाज की एकता और आस्था को नई ऊर्जा दी है। इन अवसरों पर पूरे देश से आए लोगों की सहभागिता ने यह सिद्ध किया है कि भारतीय समाज में संगठन और आत्मविश्वास की शक्ति कितनी प्रबल है। संघ की 100 वर्षों की यात्रा केवल इतिहास की उपलब्धियों का वर्णन नहीं है बल्कि यह भविष्य के लिए एक प्रेरक संकल्प भी है। आज समाज में जो सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं, वे लंबे समय से किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम हैं। हिंदुत्व और भारतीय परम्पराओं के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। एक समय ऐसा भी था जब सार्वजनिक जीवन में हिंदू समाज की कमियों को ही अधिक उजागर किया जाता था, जिससे समाज के अनेक लोग अपनी परंपराओं और मूल्यों को सही रूप में समझ नहीं पाए। परंतु अब परिस्थितियाँ बदल रही हैं। लोग अपने धर्म, संस्कृति और परंपराओं पर गर्व अनुभव करने लगे हैं। आज अनेक परिवारों में अपने बच्चों के नामकरण से लेकर विवाह संस्कार तक भारतीय परंपराओं का पुनः सम्मानपूर्वक पालन किया जा रहा है। घर-परिवार में धार्मिक और सांस्कृतिक परम्पराओं को महत्व दिया जाने लगा है। इस परिवर्तन का उद्देश्य केवल परंपराओं का पालन करना नहीं है, बल्कि एक सच्चरित्र, संस्कारित और जिम्मेदार पीढ़ी का निर्माण करना है। ऐसी पीढ़ी ही समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण कर सकती है और परिवार तथा समाज में सुख-शांति की स्थापना कर सकती है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में एक विशेष पहल की है, जिसे "पंच परिवर्तन" कार्यक्रम कहा गया है। इस कार्यक्रम का आह्वान संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा किया गया है। इसका उद्देश्य समाज में ऐसे पाँच महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जागरूकता और व्यवहारिक परिवर्तन लाना है, जिनसे राष्ट्र जीवन को नई दिशा मिल सके। पंच परिवर्तन कार्यक्रम के पाँच प्रमुख आयाम हैं- नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजगता, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता, स्वदेशी भावना और स्वावलंबन का विकास, कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से पारिवारिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण, सामाजिक समरसता की स्थापना।इन पाँचों आयामों का उद्देश्य केवल विचार प्रस्तुत करना नहीं है बल्कि इन्हें जीवन में व्यवहार के रूप में अपनाना है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होगा, तभी राष्ट्र सशक्त बन सकेगा। नागरिकों को कानून व्यवस्था का पालन करते हुए समाज में सद्भाव और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना होगा। कुटुंब प्रबोधन इस कार्यक्रम का अत्यंत महत्वपूर्ण भाग है। परिवार समाज की सबसे छोटी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। यदि परिवार में संस्कार, संवाद और संवेदनशीलता का वातावरण होगा तो समाज स्वतः स्वस्थ और सुदृढ़ बनेगा। इसके लिए यह आवश्यक है कि परिवार के सदस्य समय निकाल कर एक साथ बैठें, संवाद करें और अपने बच्चों को महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा दें। सप्ताह में कम से कम एक बार परिवार में धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन तथा बच्चों के साथ महापुरुषों के जीवन पर चर्चा जैसी छोटी-छोटी पहलें समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं। इसी प्रकार सामाजिक समरसता भी पंच परिवर्तन का प्रमुख लक्ष्य है। समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव राष्ट्र की एकता को कमजोर करता है। मंदिर, पानी और श्मशान जैसे विषयों में यदि कहीं भी भेदभाव की भावना शेष है, तो उसे समाप्त करना समाज का दायित्व है। सभी वर्गों के लोगों के साथ आत्मीयता और सम्मान का व्यवहार करना ही समरस समाज की आधारशिला है। त्यौहारों और सामाजिक अवसरों पर विभिन्न समुदायों के लोग एक-दूसरे के घर जाएँ, एक साथ बैठें और परस्पर सम्मान का भाव रखें, यही सामाजिक एकता का वास्तविक स्वरूप है। पर्यावरण संरक्षण भी आज के समय की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है। प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना मानव जीवन के लिए अनिवार्य है। जल संरक्षण, हरियाली बढ़ाना और प्लास्टिक के उपयोग को कम करना जैसे छोटे-छोटे कदम पर्यावरण की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। यदि प्रत्येक परिवार यह संकल्प ले कि पानी का अपव्यय नहीं होगा, घर-आंगन में वृक्ष लगाए जाएंगे और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का उपयोग कम किया जाएगा, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा परिवर्तन संभव है। स्वदेशी भावना का विकास भी राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। स्वदेशी का अर्थ केवल देश में बने उत्पादों का उपयोग करना ही नहीं है बल्कि आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान की भावना को मजबूत करना भी है। जब देश का नागरिक स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देता है, तब देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। इसलिए स्वदेशी का आचरण घर से ही प्रारंभ होना चाहिए। इसके साथ-साथ समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए भी सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। दहेज प्रथा, मृत्यु भोज जैसी परंपराएँ तथा युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति जैसी समस्याएँ समाज के लिए गंभीर चुनौती हैं। इन कुरीतियों के उन्मूलन के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को मिलकर प्रयास करना होगा। जब समाज की एकता, सजगता और निःस्वार्थ सेवा की भावना एक साथ कार्य करती है, तभी राष्ट्र सशक्त और वैभवशाली बनता है। भारत की सनातन संस्कृति "वसुधैव कुटुम्बकम्" का संदेश देती है, जिसमें सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार माना गया है। यही संस्कृति मानवता को अंधकार से प्रकाश की ओर, असत्य से सत्य की ओर और निराशा से आशा की ओर ले जाने की प्रेरणा देती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मानना है कि भारत की पहचान उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जीवन दृष्टि से है, जिसे दुनिया हिंदुत्व के नाम से जानती है। इसी जीवन दृष्टि के आधार पर समाज को एक सूत्र में जोड़कर सशक्त और संस्कारित राष्ट्र का निर्माण करना संघ का मूल उद्देश्य रहा है।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन धार्मिक आस्था और परोपकार के कार्यों में बीतेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखें। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। आज आप कोशिश करेंगे कि आपका व्यवहार सभी के प्रति अच्छा रहे तथा किसी की भावनाओं को भी ठेस न पहुंचे। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आज आपको सोच समझकर लेने चाहिए।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज के दिन नई उर्जा से भरपूर रहेंगे। आपमें एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आपको काम को पूरा करने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी नहीं तो आपका काम अधूरा रह सकता है। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला होगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। व्यापार में आज आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। आज घर में माता पिता के सहयोग से आपका मनोबल बढ़ेगा। आपको पारिवारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा। आपका सही मार्गदर्शन घर के सभी सदस्यों के दिल में एक दूसरे के प्रति प्यार बढ़ा देगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आज कार्यभार अधिक होने के कारण ऑफिस में देर तक रुकना पड़ेगा। छात्रों को आज पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, जल्द ही सफलता मिलने के योग बने हुये है। इस राशि के अकाउंटेंट के लिए आज का दिन व्यस्तता भरा रहेगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन रहने वाला है। आज आपकी कार्य योजनाओं से लोग जल्द ही सहमत होगें। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी, सभी लोग हंसी खुशी रहेंगे। फैमिली की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खर्च और खरीदारी करते समय संतुलन बनाकर चलना होगा। आज अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण आपके भविष्य में आर्थिक मददगार सिद्ध होगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन घूमने फिरने में अधिक बीतेगा। परिवार वालों की सलाह आपके लिए कारगर सिद्ध हो सकती। आज आप ऑफिस में किसी रुके हुए काम को सहकर्मियों की मदद से समय पर पूर्ण कर लेंगे, इससे आपका आत्मविश्वास और सीनियर्स आपसे प्रभावित होंगे।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। कॉन्ट्रैक्टर्स को अच्छा खासा धनलाभ हो सकता है, यह आपके लिए आने वाले समय में बहुत फायदेमंद रहेगा। इस राशि के चिकित्सा क्षेत्र या डॉक्टर्स के लिए आज दिन काफी लकी साबित होगा उन्हें बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। बड़ों का सहयोग आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज इष्ट मित्र आपसे मिलने आपके घर आ सकता है जिसे सामने देखकर आपको यकीन नहीं होगा, मित्र से कुछ निजी समस्याओं पर बात करके आपको हल्का महसूस होगा। आज संतान पक्ष की सफलता से आपको बहुत सुकून मिलेगा, पारिवारिक वातावरण खुशनुमा हो जायेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आपका धन कहा खर्च हो रहा है इस पर आपको नजर बनाये रखने की जरूरत है नहीं, तो भविष्य में आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। अभिभावक अपने बच्चों पर परीक्षा की तैयारी संबंधी दबाव न बनाये, उन्हें सहज महसूस करवाए जिससे उनकी क्षमता प्रभावित न हो।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियाँ लेकर आया है। आप परिवारवालों के साथ ज्यादा वक्त बिताएंगे। आज आपके लिए फैसला करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण जीवनसाथी के साथ कहीं जाने का प्लान कैंसिल करना पड़ सकता है। क

कुंभ राशिः आपका दिन शानदार रहने वाला है। आप किसी रिश्तेदार से मिलने उनके घर भी आज जा सकते हैं। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्र पढाई को लेकर नयी योजनायें बनायेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था व विश्वास से आगे बढ़ेंगे। अगर आज आप अपने कामों में जल्दबाजी दिखाने से बचेंगे तो आगे आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। साथ काम करने वाले लोगों से आपको मदद मिलेगी।

अमेरिका के सामने झुक गया भारत ! आरोप और वैश्विक हकीकत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय राजनीति में आरोपों की कमी कभी नहीं रहती। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है, किंतु जब आरोप तथ्यों और वैश्विक वास्तविकताओं से कटकर राजनीतिक बयान बन जाते हैं तब वे स्वभाविक तौर पर अपनी गंभीरता खो देते हैं। हाल के दिनों में कांग्रेस की ओर से यह आरोप लगाया गया कि भारत की सरकार अमेरिका के सामने झुक गई है, ठीक वैसा ही है। वस्तुतः यह आरोप सुनने में भले ही तेज और आक्रामक लगे, पर यदि इसे वैश्विक राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और दुनिया की वास्तविक परिस्थितियों की रोशनी में देखा जाए तो यह लगभग खोखला और निराधार प्रतीत होता है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि दुनिया की शक्ति संरचना कैसी है। आज भी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में कुछ ही देश ऐसे हैं जिनका प्रभाव राजनीति, अर्थव्यवस्था, तकनीक और सुरक्षा के क्षेत्र में व्यापक रूप से दिखाई देता है। अमेरिका उन देशों में सबसे प्रमुख है। उसकी अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, उसकी तकनीकी कंपनियां वैश्विक नवाचार की दिशा तय करती हैं और उसकी सैन्य शक्ति का प्रभाव अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। यही कारण है कि दुनिया भर के देश उसके साथ सहयोग और साझेदारी की कोशिश करते हैं। किसी देश की वास्तविक ताकत का सबसे बड़ा संकेत यह नहीं होता कि उसके बारे में राजनीतिक भाषणों में क्या कहा जा रहा है, वस्तुतः यह होता है कि दुनिया के लोग उसके बारे में क्या सोचते हैं। यदि हम इस कसौटी पर अमेरिका को देखें तो एक सच्चाई साफ नजर आती है। दुनिया भर के करोड़ों लोग आज भी अमेरिका को अवसरों की भूमि मानते हैं। भारत, चीन, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया के कई देशों से लाखों लोग हर साल अमेरिका में पढ़ने, काम करने और बसने का सपना देखते हैं। यदि वैश्विक शक्ति के अन्य आयामों पर नजर डालें तो अमेरिका की बढ़त कई क्षेत्रों में स्पष्ट दिखाई देती है। तकनीकी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियां वहीं से निकली हैं और सिलिकॉन वैली आज भी नवाचार का प्रमुख केंद्र मानी जाती है। शिक्षा के क्षेत्र में भी कई शीर्ष विश्वविद्यालय अमेरिका में स्थित हैं और यही कारण है कि दुनिया भर के छात्र वहां उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जाते हैं। अर्थव्यवस्था के स्तर पर अमेरिकी डॉलर अभी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय व्यवस्था में सबसे प्रभावशाली मुद्रा बना हुआ है। इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी गंतव्य बना हुआ है और वहां प्रवासी मूल के लोगों की संख्या करोड़ों में है। यह केवल कानूनी रास्तों तक सीमित नहीं है। अमेरिका मेक्सिको सीमा पर हर साल हजारों लोग अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश करते हैं। कठिन रेगिस्तानी रास्ते, नदियों का जोखिम और सख्त सीमा सुरक्षा के बावजूद लोग उस दिशा में बढ़ते रहते हैं। कई बार यह प्रयास दुखद घटनाओं में बदल जाता है और कुछ लोग अपनी जान तक गंवा बैठते हैं। इसके बावजूद अमेरिका जाने का सपना खत्म नहीं होता। यह एक कठोर किंतु स्पष्ट सच्चाई है कि यदि कोई देश इतना महत्वहीन या कमजोर होता तब भला क्यों लोग अपनी जिंदगी को खतरे में डालकर वहां पहुंचने की कोशिश करते? अमेरिका की ताकत उसकी सेना या अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है। उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसकी संस्थाएं हैं। वहां का संविधान, न्यायपालिका और नागरिक अधिकारों की व्यवस्था दुनिया में मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे का उदाहरण मानी जाती है। इसी का एक ताजा उदाहरण जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता को लेकर चल रही बहस है। अमेरिका में कई धार्मिक संगठनों ने सर्वोच्च न्यायालय से अपील की है कि जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता को सीमित नहीं किया जाना चाहिए। इस प्रयास में "हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन" ने प्रमुख भूमिका निभाई है। इस संगठन ने सत्तावन धार्मिक संगठनों के साथ मिलकर संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय में एक मित्र याचिका दायर की है। यह याचिका ट्रंप बनाम बारबरा नामक मामले में दी गई है जो इस समय न्यायालय में विचाराधीन है। यह विवाद उस समय सामने आया जब दो हजार पच्चीस की शुरुआत में "डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन" ने एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने का प्रयास किया। अमेरिका के संविधान के चौदहवें संशोधन में स्पष्ट रूप से लिखा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में जन्म लेने वाला हर व्यक्ति नागरिक माना जाएगा। यही प्रावधान अमेरिकी लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों में से एक है और इसी कारण इस विषय पर व्यापक बहस चल रही है। इस बहस में एक दिलचस्प पहलू यह भी सामने आया है कि हिन्दू समुदाय ने अपने तर्क यहां सिर्फ संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर ही सिद्ध करने के प्रयास नहीं किए हैं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के आधार पर भी रखे हैं। "हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन" का कहना है कि हिंदू परंपरा पूरी दुनिया को एक परिवार मानने की शिक्षा देती है। यह विचार महा उपनिषद में व्यक्त "वसुधैव कुटुंबकम" के सिद्धांत में मिलता है, जिसका अर्थ है कि उदार विचार वाले लोगों के लिए पूरी दुनिया एक परिवार होती है। संकीर्ण सोच वाले लोग किसी को अपना और किसी को पराया मानते हैं लेकिन उदार विचार वाले लोगों के लिए पूरी दुनिया एक परिवार होती है। इसी प्रकार तैत्तिरीय उपनिषद में "अतिथि देवो भव" का संदेश दिया गया है, जिसमें अतिथि को देवता के समान सम्मान देने की बात कही गई है। कहा गया है कि अतिथि को देवता के समान मानकर उसका सम्मान करना चाहिए। यह उल्लेख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दर्शाता है कि भारतीय सभ्यता के विचार और मूल्य आज भी दुनिया के दूसरे हिस्सों में बसे भारतीय समुदाय के जीवन और सोच का हिस्सा हैं। फाउंडेशन ने यह भी कहा कि जन्मसिद्ध नागरिकता अमेरिका में धार्मिक विविधता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इन सभी तथ्यों के बीच भारत और अमेरिका के संबंधों को समझना भी जरूरी है। यह संबंध किसी एक सरकार या किसी एक राजनीतिक दल की देन नहीं हैं। पिछले कई दशकों से भारत की विदेश नीति में अमेरिका के साथ सहयोग एक महत्वपूर्ण तत्व रहा है। दो हजार आठ का भारत-अमेरिका असैनिक परमाणु समझौता इसका एक प्रमुख उदाहरण है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईसीसी ने भारत में फंसी टीमों के लिए चार्टर फ्लाइट का किया इंतजाम

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए कोलकाता में फंसी टीमों के लिए विशेष उड़ान का इंतजाम किया है। : आईसीसी ने ये व्यवस्था इसलिए की है क्योंकि टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी कुछ टीमें भारत में ही फंसी हुई हैं। इन्हीं टीमों के लिए विशेष व्यवस्था की गयी है। मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण दुबई सहित कई जगहों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बाधा आई है। इसी को देखते हुए आईसीसी ने वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के लिए चार्टर फ्लाइट बुक की है। इन तीनों टीमों की यात्रा में देरी हो रही थी, जिसके बाद आईसीसी ने खिलाड़ियों और सहायेगी स्टाफ को सुरक्षित तरीके से अपने-अपने देशों तक पहुंचाने के लिए चार्टर फ्लाइट बुक की है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड टीम शनिवार शाम मुंबई से लंदन के लिए रवाना हुई जबकि वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीकी टीम को अलग चार्टर फ्लाइट के जरिए भेजा जाएगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले जोहान्सबर्ग पहुंचेगी, जबकि वेस्टइंडीज की टीम वहां से आगे एंटीगुआ के लिए रवाना होगी। वेस्टइंडीज की टीम 1 मार्च से कोलकाता में ही रुकी हुई थी। कैरिबियाई टीम अपने अंतिम सुपर-8 मुकाबले में भारत से पांच विकेट से हार के बाद ही बाहर हो गयी थी। इसके बाद अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमलों के बाद उड़ाने बंद होने से टीम भारत में ही फंस गयी थी। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी भारत में ही रुकी हुई थीं। इंग्लैंड को सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ हार मिली थी। दक्षिण अफ्रीका को न्यूज़ीलैंड ने सेमीफाइनल में हराया था। इन हार के बाद दोनों टीमों को उड़नो शुरु नहीं होने से भारत में ही रहना पड़ा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने भी इसको लेकर आईसीसी से नाराजगी जतायी थी। वहीं वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन ने भी सोशल मीडिया पर हंसते हुए लिखा, अब तो बेहतर होगा कि मैं स्टार फुटबॉल स्टार से अपना जेट भेजकर मुझे यहां से ले जाने का अनुरोध करुं।इससे पहले जिम्मेबाब्वे भी कुछ दिन भारत में फंसी थी।

अगरकर ने कठिन फैसलों से बदली भारतीय टीम की दिशा

» चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के 3 साल पूरे

एजेंसी, अहमदाबाद

अजीत आगरकर जब भारत की सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने, तब परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण थीं। उन्हें यह जिम्मेदारी चेतन शर्मा की जगह दी गई थी, जिन्हें एक टीवी स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से हटना पड़ा था। अगरकर के तीन साल के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिन्हें उस समय साहसिक माना गया, लेकिन बाद में उनके सकारात्मक परिणाम सामने आए। क्रिकेट में चयनकर्ता की भूमिका अक्सर विकेटकीपर जैसी मानी जाती है। अच्छे फैसलों पर भले ही कम सराहना मिले, लेकिन एक गलती पर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ती है। अगरकर के कार्यकाल में भी यही स्थिति देखने को मिली। वर्ष 2020-21 में जब चयन समिति के अध्यक्ष का पद खाली हुआ था, तब अगरकर ने भी आवेदन किया था, लेकिन उस समय चेतन शर्मा को यह जिम्मेदारी मिली। बाद में 2023 में अगरकर को यह पद सौंपा गया और इसके बाद वह अपने फैसलों के कारण लगातार चर्चा में रहे। भारत की चयन समितियों के इतिहास में दिलीप वेंगसरकर और कृष्णाचारी श्रीकांत के बाद अगरकर का कार्यकाल भी काफी प्रभावशाली माना जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में भारतीय टीम ने आईसीसी के चार बड़े टूर्नामेंट 2023 आईसीसी वर्ल्डकप, 2024 आईसीसी मेंस टी20 विश्वकप, 2025 आईसीसी चैम्पियनशिप ट्राफी और 2026 आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बनाई है। अगर भारत न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीतता है तो यह तीन वर्षों में तीसरी बड़ी ट्रॉफी होगी। टीम की सफलता का श्रेय अक्सर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को मिलता है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट के लिए मजबूत टीम तैयार करने में चयनकर्ताओं की भूमिका भी बेहद अहम होती है। अगरकर के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिनके लिए मजबूत विश्वास की जरूरत थी। उदाहरण के तौर पर हार्दिक पाण्डया की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम का कप्तान बनाना एक बड़ा फैसला था। इसके अलावा वनडे टीम की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाने का निर्णय भी काफी संवेदनशील माना गया। इन दोनों मामलों में अगरकर ने आलोचनाओं से बचने की कोशिश नहीं की, बल्कि खुले तौर पर फैसलों का समर्थन किया। उनका मानना था कि टीम चयन केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि खिलाड़ियों की भूमिका, टीम संतुलन और रणनीतिक सोच भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति में एस शरत (जिनकी जगह बाद में प्रज्ञान ओझा आए), सुब्रता बनर्जी (जिनकी जगह आरपी सिंह को शामिल किया गया), एसएस दास और अजय रात्रा जैसे सदस्य शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर भारतीय टीम के लिए एक मजबूत और संतुलित संयोजन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईसीसी पर बरसे डी कॉक

एजेंसी, कोलकाता

मध्यपूर्व में जारी तनाव के कारण अधिकतर उड़ानें बंद होने से आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के लिए भारत आई टीमें टूर्नामेंट से बाहर आने के बाद भी स्वदेश नहीं लौट पा रही हैं। वेस्टइंडीज टीम के बाद दक्षिण अफ्रीका भी भारत में फंसी हुई है पर इंग्लैंड टीम स्वदेश वापसी करने में सफल रही है। जिसके बाद से ही अन्य टीमों के खिलाड़ी भड़के हुए हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को आड़े हाथों लिया है। डी कॉक ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह अजीब बात है कि उनके बाद बाहर होने वाली इंग्लैंड उनसे पहले वापस चली गयी है। वहीं वेस्टइंडीज और हमारी टीम अभी भी कोलकाता में है। डी कॉक ने सोशल मीडिया में लिखा, मजेदार आईसीसी, हमने कुछ नहीं सुना। इस बीच, इंग्लैंड किसी तरह हमसे पहले निकल गयी है। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका अब भी फंसी है। अजीब बात है कि अलग-अलग टीमों का दूसरों से अलग प्रभाव होता है। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी इसपर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने लिखा, "तो इंग्लैंड गुरुवार को बाहर हो गया, आज चार्टर होम ले लो। वेस्टइंडीज पिछले रविवार को बाहर हो गया और अभी भी कोलकाता में है। दक्षिण अफ्रीका उसी स्थिति में है। यहीं पर अपनी ताकत का प्रयोग गलत है। इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए। केवल इसलिए कि आप आईसीसी टेबल पर ज्यादा शक्तिशाली हैं, तो आपके साथ अलग व्यवहार होगा।"

जय शाह ने फाइनल मुकाबले से पहले भारत-न्यूजीलैंड टीम को दी शुभकामनाएं

एजेंसी, अहमदाबाद

आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 का खिताबी मुकाबला आज (रविवार) शाम सात बजे से गुजरात के अहमदाबाद में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। मुकाबले से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी हैं। जय शाह ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला टी-20 विश्व कप रहा है। इस विश्व कप में कई आकार्षण रहे, जिसमें हमारे एसोसिएट सदस्यों के कुछ शानदार प्रदर्शन भी शामिल हैं। अब भारत और न्यूजीलैंड को फाइनल के लिए गुड लक कहने का समय है, जो बहुत बड़ी भीड़ के सामने खेला जाएगा और जिसे करोड़ों लोग देखेंगे। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने वाले फाइनल मुकाबले को जीतकर दोनों टीमों के पास इतिहास रचने का मौका है। गत विजेता भारतीय टीम तीसरी बार इस खिताब को जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगी। न्यूजीलैंड पहली बार टी20 विश्व कप जीतकर ट्रॉफी अपने नाम करना चाहेगा। दोनों टीमों के पास मैच विजेता खिलाड़ियों की कमी नहीं है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन के दम पर फाइनल में प्रवेश किया है, जहां उसने इंग्लैंड को सात रन से हराया था। इसी तरह न्यूजीलैंड ने भी सेमीफाइनल में अच्छी बल्लेबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ली ताहुहू ने वनडे क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी, नई दिल्ली

न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर ली ताहुहू ने अपने वनडे क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया है। उन्होंने 15 साल के लंबे वनडे करियर में न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम (व्हाइट फर्न्स) के लिए बेहद शानदार प्रदर्शन किया और 125 विकेट झटके हैं। उनका मानना है कि वनडे से संन्यास लेने का यह सही समय है। हालांकि, वह न्यूजीलैंड के लिए टी20 फॉर्मेट में खेलना जारी रखेंगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की ओर से रविवार को जारी आधिकारिक बयान में ली ने कहा कि वनडे क्रिकेट में व्हाइट फर्न्स की जर्सी पहनना हमेशा से मेरे लिए सम्मान की बात रही है। वनडे क्रिकेट में 100 से अधिक बार अपने देश के लिए जर्सी पहनना एक ऐसी बात है जिसका मैंने कभी सपना भी नहीं देखा था। उन्होंने 2024 में टी20 विश्व कप जीत को एक बहुत बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि मैं हर पल को संजो कर रखूंगी और वनडे क्रिकेट से बेहद गर्व के साथ विदा ले रही हूं। व्हाइट फर्न्स के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा कि वनडे में ली का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। उनकी तेज गेंदबाजी हमेशा से ही एक ताकत रही है, लेकिन उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता और इस टीम को आगे बढ़ाने की उनकी लगन सबसे अलग रही है। इसका असर उन युवा गेंदबाजों पर भी पड़ा है जो अब वनडे खेल में अपनी कला सीख रहे हैं। सॉयर ने कहा कि ली के वनडे के आंकड़े खुद ही सब कुछ बयां करते हैं। अपने देश के सर्वकालिक अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में किसी प्रारूप से संन्यास लेना एक ऐसी उपलब्धि है जिस पर ली को बहुत गर्व होना चाहिए। ली ने वनडे क्रिकेट में ऊंचाइयों को छुआ है और व्हाइट फर्न्स के लिए इस प्रारूप में गेंदबाजी के नए मानक स्थापित किए हैं। ली ने 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे क्रिकेट में पदार्पण किया था। उनका आखिरी वनडे मैच इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में था। ली ने न्यूजीलैंड के लिए 103 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 125 विकेट लिए हैं।

व्यापार

भारत के पास 250 मिलियन बैरल कच्चा तेल, 7–8 सप्ताह का बफर मौजूद

नई दिल्ली। शीर्ष सरकारी सूत्रों ने इस आशंका को खारिज किया कि मौजूदा वैश्विक ऊर्जा स्थिति भारत के लिए संकट बन सकती है। भारत के पास फिलहाल 250 मिलियन बैरल (करीब 4,000 करोड़ लीटर) से अधिक कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद का भंडार है, जो पूरी आपूर्ति श्रृंखला में लगभग 7–8 सप्ताह का बफर प्रदान करता है। ये भंडार किसी एक स्थान या एक ही रूप में नहीं रखे गए हैं। इन्हें जमीन के ऊपर बने स्टोरेज टैंकों, भूमिगत रणनीतिक गुफाओं, पाइपलाइन सिस्टम, टर्मिनल टैंकों, समुद्र में ट्रांजिट में मौजूद स्टोरेज जहाजों और तीन समर्पित रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार सुविधाओं मैंगलोर, पडुर और विशाखापटनम में वितरित किया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, भारत के पास कच्चा तेल, पेट्रोल, डीजल, एटीएफ, एलपीजी और एलएनजी का पर्याप्त भंडार है, जिससे अल्पकालिक आपूर्ति व्यवधानों से निपटा जा सकता है। साथ ही, देश कई वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं से ऊर्जा की आपूर्ति जारी रखे हुए है। सूत्रों ने कहा, यह दावा कि वैश्विक तेल आपूर्ति रुक गई है या भारत के पास केवल 25 दिन का भंडार है, गलत है और वास्तविक आपूर्ति व स्टॉक स्थिति को नहीं दर्शाता। भारत सोची-समझी और मजबूत रणनीतिक स्थिति में है, जो पिछले 12 वर्षों की निरंतर ऊर्जा नीति का परिणाम है। बफर वास्तविक है, आपूर्ति मार्ग विविध हैं और आपूर्ति का रिकॉर्ड लगातार बना हुआ है। यह बफर किसी काउंटडाउन की तरह नहीं है, बल्कि नियमित आयात के अतिरिक्त है। हर दिन कई मार्गों से तेल आयात जारी रहता है। भले ही स्ह्लह्ड्डद्बह्ल शद्ब ॥शह्द्बह्व5 से आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो जाए, तब भी भारत के विविध स्रोतों के कारण प्रभाव आंशिक होगा, पूरी तरह नहीं। सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत के कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा इस मार्ग से नहीं गुजरता। पिछले एक दशक में भारत की रणनीतिक तेल कूटनीति ने आपूर्तिकर्ता देशों की संख्या 27 से बढ़ाकर 40 कर दी है, जो छह महाद्वीपों में फैले हुए हैं। अब वह दौर समाप्त हो चुका है जब भारत की ऊर्जा सुरक्षा किसी एक समुद्री मार्ग पर निर्भर होती थी। अब आपूर्ति रूस, पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका महाद्वीप, मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के बाहर के मध्य-पूर्वी मार्गों से भी होती है। इसलिए किसी एक मार्ग में बाधा आने पर केवल स्रोतों का समायोजन करना पड़ता है लेकिन आपूर्ति संकट नहीं बनता। सूत्रों ने कहा कि होर्मुज जलडमरू मध्य भारत के कच्चे तेल आयात का एकमात्र मार्ग नहीं है। करीब 40 प्रतिशत आयात इस जलडमरू मध्य से गुजरता है जबकि लगभग 60 प्रतिशत अन्य मार्गों से आता है। इसी कारण वैश्विक संकट या महामारी के दौरान भी भारतीय उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा की कोई कमी नहीं हुई। कई देशों, जिनमें आस्ट्रेलिया और कनाडा शामिल हैं, ने अतिरिक्त गैस आपूर्ति की पेशकश भी की है। भारत ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए वैकल्पिक स्रोतों की तलाश जारी रखे हुए है।

डॉलर के मुकाबले तेजी से नीचे नहीं गिरेगा रुपया! आरबीआई ने उठाया बड़ा कदम, बैंकों से मांगी यह जानकारी

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी मुद्रा बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच बैंकों से फॉरेक्स सौदों से जुड़े ग्राहकों के लेन-देन और पोजीशन की विस्तृत जानकारी मांगी है। केंद्रीय बैंक का उद्देश्य यह पता लगाना है कि कहीं बड़े स्तर पर भारतीय रुपये के खिलाफ सट्टेबाजी तो नहीं हो रही है। पिछले छह महीनों के दौरान रुपये में डॉलर के मुकाबले काफी कमजोरी देखी गई है। इस अवधि में रुपया करीब 88 रुपये प्रति डॉलर के स्तर से गिरकर 92 रुपये के आसपास तक पहुंच गया था। शुक्रवार को भी रुपया 91.74 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। आरबीआई बाजार में बढ़ती अस्थिरता को नियंत्रित करने और स्थिति की सही तस्वीर समझने के लिए यह कदम उठा रहा है।

इन कारणों से बढ़ा रुपये पर दबाव- विशेषज्ञों के अनुसार रुपये में गिरावट के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। बड़े कॉरपोरेट घराने भविष्य के आयात के लिए पहले से डॉलर की खरीद कर रहे हैं। इसके अलावा ऑफशोर नॉन-डिलिवरेबल फॉरवर्ड (ह्ष्ठस्न) और फॉरवर्ड मार्केट में आर्बिट्राज डील्स भी बढ़ी हैं। वहीं बैंक भी अपनी तय सीमा के भीतर ट्रेडिंग पोजीशन बढ़ा रहे हैं, जिससे बाजार में दबाव बढ़ रहा है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, खासकर ईरान-इजरायल और अमेरिका से जुड़ी परिस्थितियां, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, चालू खाता घाटा और विदेशी निवेश प्रवाह में कमी भी रुपये की कमजोरी की प्रमुख वजह मानी जा रही हैं। हाल ही में भारत और अमेरिका के बीच हुई व्यापारिक समझौते से कुछ राहत जरूर मिली थी, लेकिन पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण फिर से दबाव बढ़ गया है।

बैंकों को देनी होगी यह जानकारी- आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे स्पॉट, फॉरवर्ड और ऑफशोर ह्ष्ठस्न बाजार में ग्राहकों के लेन-देन का पूरा ब्योरा दें। विशेष रूप से 10 मिलियन डॉलर से अधिक के सौदों में ग्राहक का नाम और डॉलर खरीदने या बेचने का उद्देश्य बताना जरूरी होगा। इसके अलावा बैंकों को अपनी ओपन पोजीशन और इंटर-बैंक बाजार में कुल खरीद-बिक्री की जानकारी भी देनी होगी।

आरबीआई को मिलेगी रणनीति बनाने में मदद- विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के आंकड़ों से आरबीआई को बाजार में हो रही गतिविधियों को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी। इससे केंद्रीय बैंक रुपये में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए समय रहते उचित कदम उठा सकेगा। बैंकिंग क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि जब आरबीआई इस प्रकार का डेटा मांगता है तो इसे बाजार में सट्टेबाजी को सीमित करने के संकेत के रूप में भी देखा जाता है। हालांकि इस संबंध में कोई औपचारिक निर्देश जारी नहीं किया गया है। फिलहाल आरबीआई किसी विशेष स्तर पर रुपये को बचाने की रणनीति नहीं अपना रहा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर फॉरवर्ड मार्केट में बाय-सेल स्वैप जैसे उपायों के जरिए हस्तक्षेप किया गया है।

55 रुपए प्रति लीटर महंगे हुए पेट्रोल और डीजल, ये है वजह

लाहौर । अगर आप वाहनचालक हैं तो ग़्रह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 रुपए (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। पाकिस्तान में हुई इस बढ़ोतरी के बाद यहां पेट्रोल की कीमत अब 335.86 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 321.17 रुपए प्रति लीटर के स्तर पर पहुंच गया है। पाक पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज़ मलिक ने टीवी पर एक वीडियो जारी कर रिटेल फ्यूल कीमतों में ऐतिहासिक बढ़ोतरी की जानकारी आवाम को दी। उन्होंने बताया कि पेट्रोल की कीमत 335.86 रुपये और डीजल की कीमत 321.17 रुपये हो गई है। इसमें 55 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, जैसे ही अंतरराष्ट्रीय स्थिति में सुधार होगा, हम उतनी ही तेजी से कीमतें भी कम कर देंगे। इससे पहले डार ने कहा था कि इस संकट के कारण वैश्विक तेल कीमतों में 50 से 70 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।

पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों से प्रभावित होगा शेयर बाजार

मुंबई। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे जुड़ी भू-राजनीतिक घटनाओं पर निर्भर करेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस संघर्ष के चलते बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) की बिकवाली बढ़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक संघर्ष का स्पष्ट परिणाम सामने नहीं आता और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट नहीं होती, विदेशी निवेशक बाजार में बड़े पैमाने पर निवेश करने की संभावना कम है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड इस सप्ताह 8.52 प्रतिशत उछलकर 92.69 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च तेल कीमतें भारत जैसी तेल आयातक अर्थव्यवस्थाओं के लिए नकारात्मक संकेत हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित करता है और बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड का 90 डॉलर से ऊपर होना भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए बुरी खबर है। विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक बाजार के रुझान और एफपीआई की गतिविधियां भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगी। यदि वैश्विक बाजार सकारात्मक रहेगा, तो कुछ हद तक भारतीय बाजार में स्थिरता बनी रह सकती है। लेकिन पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों में तेजी इसे दबाव में रख सकते हैं। घरेलू मोर्चे पर निवेशक 12 मार्च को आने वाले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ये आंकड़े निवेशकों को अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति और मौद्रिक नीति के रुझान का संकेत देंगे।

देश की प्रमुख आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.81 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में गिरावट की वजह से देश की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2,81,581.53 करोड़ रुपये की कमी आई है। इसमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा। शीर्ष 10 की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस ही ऐसी कंपनियां रहीं, जिनके मूल्यांकन में बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 53,952.96 करोड़ रुपये घटकर 10,55,567.27 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 46,936.82 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 9,40,049.82 करोड़ रुपये पर आ गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 46,552.3 करोड़ रुपये घटकर 13,19,107.08 करोड़ रुपये रह गया। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में 45,629.03 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 5,43,208.36 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 28,934.56 करोड़ रुपये घटकर 5,91,136.03 करोड़ रुपये पर आ गया। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 14,750.39 करोड़ रुपये बढ़कर 19,01,583.05 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन भी 3,459.99 करोड़ रुपये चढ़कर 5,30,546.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बाजार पूंजीकरण के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

अदाणी समूह बना यूनेस्को के विश्व इंजीनियरिंग दिवस 2026 का आधिकारिक भागीदार

अहमदाबाद। अदाणी समूह को सतत विकास के लिए विश्व इंजीनियरिंग दिवस (डब्ल्यूईडी) 2026 का आधिकारिक भागीदार नामित किया गया है। यह दिवस यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा घोषित एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है, जिसे वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंजीनियरिंग ऑर्गनाइजेशंस (डब्ल्यूएफईओ) द्वारा आयोजित किया जाता है। यह पहली बार है, जब विश्व इंजीनियरिंग दिवस पर इंजीनियरों के प्रयासों को सम्मानित करने के लिए डब्ल्यूएफईओ द्वारा किसी भारतीय संगठन को चुना गया है। भारत की सबसे बड़ी ट्रांसपोर्ट, यूटिलिटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर कंपनी ने कहा कि यह स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने में अदाणी समूह के नेतृत्व और बड़े पैमाने पर स्वच्छ, विश्वसनीय और किफायती बिजली आपूर्ति करने की उसकी क्षमता का प्रमाण है, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (सतत विकास लक्ष्य 7) में योगदान देता है। अदाणी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने कहा, हम यह दिखा रहे हैं कि स्वच्छ ऊर्जा बड़े पैमाने पर होने के साथ-साथ किफायती भी हो सकती है, यह शक्तिशाली होने के साथ-साथ समावेशी भी है। यह दुनिया के लिए भारत का योगदान है और एक ऐसा मॉडल जहां प्रगति और सततता साथ-साथ आगे बढ़ते हैं। हमारा खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र भारत की जलवायु कार्रवाई का प्रतीक है। यह अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज की की सामूहिक ताकत को दर्शाता है, जो एकीकृत नवीकरणीय भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। 'डब्ल्यूईडी 20260 का विषय नवाचार और डिजिटलीकरण के माध्यम से सतत भविष्य के लिए स्मार्ट इंजीनियरिंग है। नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल अवसंरचना और बड़े पैमाने पर परिवहन एवं उपयोगिता प्रणालियों के क्षेत्र में अदाणी समूह का कार्य इस दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से दर्शाता है, जिससे पता चलता है कि प्रौद्योगिकी-आधारित इंजीनियरिंग वास्तविक परिस्थितियों में सतत विकास को कैसे संभव बना सकती है।

फराह ने जारी किया कुकिंग, मस्ती और इमोशन से भरा वीडियो

हाल ही में बॉलीवुड की जानी-मानी निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान ने एक नया वीडियो जारी किया, जिसमें वह अभिनेत्री सनी लियोन के शानदार घर पर नजर आ रही हैं। यह वीडियो लग्जरी होम टूर के साथ-साथ सनी की इमोशनल मदरहुड जर्नी और उनकी बेटी निशा की क्रिएटिव इन्वेंशन को भी दिखाता है। वीडियो में सनी लियोन फराह खान के लिए कुकिंग भी करती दिखाई देती हैं। उन्होंने फैंस के साथ अपना स्पेशल लेमन बटर पास्ता बनाने की रेसिपी शेयर की। वहीं दूसरी ओर, फराह के कुक दिलीप कुमार और सनी के पति डेनियल वेबर के बीच एक फनी रेसलिंग फाइट भी देखने को मिलती है, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। पूरे व्लॉग में सनी के घर में कॉमेडी, मजेदार बातचीत, कुकिंग और चिल्ड्रन मोमेंट्स का जबरदस्त मिश्रण नजर आता है। फराह खान के व्लॉग्स में कुक दिलीप कुमार अपनी अलग पहचान बना चुके हैं और सोशल मीडिया स्टार बन गए हैं। अक्सर फराह और दिलीप की नोकझोंक और मजेदार बातचीत दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान ला देती है। फिल्मों की बात करें तो फराह खान ने मैं हूं ना, ओम शांति ओम और हैप्पी न्यू ईयर जैसी सुपरहिट फिल्मों का निर्देशन किया है और अपने करियर में 80 से ज्यादा फिल्मों तथा 100 से अधिक गानों की कोरियोग्राफी कर चुकी हैं। वहीं, सनी लियोन की बात करें तो वह कनाडा-अमेरिकी मूल की अभिनेत्री और मॉडल हैं, जिन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस के जरिए भारत में पहचान बनाई। 2012 में आई फिल्म जिस्म 2 से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया और इसके बाद कई फिल्मों के साथ टीवी रियलिटी शो में भी नजर आती रहीं। सनी ने 2011 में डेनियल वेबर से शादी की थी। दोनों तीन बच्चों के माता-पिता हैं बेटी निशा, जिसे 2017 में गोद लिया गया था, और जुड़वां बेटे नूह व अशर, जो 2018 में सरोगेसी के जरिए पैदा हुए। फराह का यह नया व्लॉग दर्शकों को सनी लियोन के निजी जीवन, उनके परिवार और उनके घर की खूबसूरती से रूबरू कराता है, जिसे फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं। बता दें कि फराह खान इन दिनों अपने मजेदार यूट्यूब व्लॉग्स और कुकिंग वीडियो की वजह से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अपने चैनल पर फराह कुक दिलीप कुमार के साथ मिलकर सेलेब्रिटीज़ के घर जाकर अनोखी रेसिपी, हल्की-फुल्की बातचीत और मनोरंजक कंटेंट शेयर करती हैं।

‘एक्यूज्ड’ में हो रही प्रतिभा रान्ता के अभिनय की तारीफ

हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई फिल्म ‘एक्यूज्ड’ ने दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इस फिल्म में अभिनेत्री प्रतिभा रान्ता के अभिनय की काफी तारीफ हो रही है। अपने किरदार की मानसिक जटिलताओं को समझने और उसे प्रभावी ढंग से निभाने के लिए उन्होंने खास तैयारी की, जिसके बारे में उन्होंने विस्तार से बात की। प्रतिभा रांटा ने बताया कि इस भूमिका की तैयारी उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं थी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले उन्होंने स्क्रिप्ट को कई बार पढ़ा, ताकि किरदार की सोच, भावनाओं और उसके भीतर चल रहे संघर्ष को गहराई से समझ सकें। उनके अनुसार, जब तक कोई कलाकार अपने किरदार को भीतर से महसूस नहीं करता, तब तक उसका अभिनय पूरी तरह प्रभावी नहीं बन पाता। यही कारण था कि उन्होंने स्क्रिप्ट रीडिंग को अपनी तैयारी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म की निर्देशक अनुभूति कश्यप और सह-अभिनेत्री कोंकना सेन शर्मा के साथ कई वर्कशॉप्स आयोजित की गईं। इन सत्रों में फिल्म के अहम दृश्यों और

उनके भावनात्मक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभा के मुताबिक, जब वे तीनों एक साथ बैठकर किसी सीन की बारीकियों पर बात करते थे, तो उस दृश्य से जुड़े कई सवालों के जवाब मिल जाते थे। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिली कि कैमरे के सामने किस मानसिक स्थिति में रहकर अभिनय करना है और दृश्य को किस दिशा में आगे बढ़ाना है। प्रतिभा ने आगे बताया कि शूटिंग के दौरान सेट का माहौल काफी सहज और सहयोगपूर्ण था। कई बार कलाकार किसी सीन के दौरान नए प्रयोग भी करते थे। जब अभिनेता अपने किरदार की भावनाओं में पूरी तरह डूब जाता है, तो कई चीजें स्वाभाविक रूप से सामने आने लगती हैं। उनके मुताबिक, इम्प्रोवाइजेशन के जरिए कई दृश्य और ज्यादा प्रभावी बन गए। कुछ पल ऐसे भी आए, जब दृश्य इतने वास्तविक लगे जैसे वे किसी की असली जिंदगी का हिस्सा हों। फिल्म ‘एक्यूज्ड’ की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगता है। यह विषय बेहद संवेदनशील है और समाज में कई तरह की बहस को जन्म देता है। फिल्म आरोप, सच्चाई और भावनाओं के टकराव को गंभीरता से दिखाती है। इसमें कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा मुख्य भूमिकाओं में नजर आती हैं। प्रतिभा रांटा का कहना है कि यह किरदार उनके लिए इसलिए भी खास था क्योंकि इसमें भावनाओं की कई परतें हैं। कभी यह पात्र मजबूत दिखाई देता है, तो कभी टूटता हुआ नजर आता है। इस तरह की भूमिका निभाने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी होता है। उन्होंने बताया कि स्क्रिप्ट रीडिंग और वर्कशॉप्स ने उन्हें अपने किरदार की गहराई को समझने में सबसे ज्यादा मदद की। फिल्म ‘एक्यूज्ड’ फिलहाल ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफलीक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। बता दें कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों ऐसी कहानियों को दर्शकों से ज्यादा सराहना मिल रही है, जो समाज के संवेदनशील और जटिल मुद्दों को ईमानदारी से सामने लाती हैं।

नवाज़ुद्दीन निभाएंगे ‘तुम्बाड-2’ में महत्वपूर्ण भूमिका

बॉलीवुड अभिनेता नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी को कल्ट हॉरर-फैंटेसी फिल्म तुम्बाड के दूसरे सीजन में एक महत्वपूर्ण किरदार के लिए शामिल किया गया है। दर्शकों को उम्मीद है कि यह सीक्वल पहले से कहीं अधिक रोमांचक और प्रभावशाली होगा। फिल्म के पहले भाग में विनायक राव की प्रमुख भूमिका निभाने वाले सोहम शाह ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार फोटो शेयर कर नवाज़ुद्दीन के जुड़ने की घोषणा की। फोटो में दोनों कलाकार रस्सी के सहारे मस्ती करते नजर आ रहे हैं। पोस्ट के जरिए सोहम ने लिखा, “हमें खुशी है कि हमारे समय के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में से एक नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी ‘तुम्बाड-2’ से जुड़ गए हैं।” इसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है, जो नवाज़ुद्दीन के किरदार और फिल्म की रिलीज़ डेट को लेकर लगातार सवाल कर रहे हैं। नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी, जो अपने गहन और मनोवैज्ञानिक रूप से

जटिल किरदारों के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में भी एक बेहद मजबूत और लेयर्ड भूमिका निभाने वाले हैं। हालांकि उनके किरदार की कहानी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि उनकी उपस्थिति सीक्वल के तनाव, रहस्य और हॉरर को कई गुना बढ़ा देगी। अभिनेता ने भी फिल्म का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि वे लंबे समय से ‘तुम्बाड’ की मौलिकता और उसके अनोखे माहौल की प्रशंसा करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब सोहम शाह ने सीक्वल का विज़न साझा किया, तो कहानी ने उन्हें तुरंत आकर्षित किया और उन्होंने इस सफ़र में शामिल होने का फैसला कर लिया। नवाज़ुद्दीन ने यह भी कहा कि उनका किरदार कई परतों वाला है, जिसे निभाने के लिए वे बेहद उत्सुक हैं। फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियोज कर रहा है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं हुई है, लेकिन मेकर्स जल्द ही इसे फ्लोर पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि तुम्बाड 2 अपने पहले भाग की तुलना में ज्यादा हॉरर, सस्पेंस और चौंकाने वाले मोड़ लेकर आएगी।

संयुक्ता लीड के रूप में नजर आएंगी नई पैन इंडिया फिल्म में

साउथ की अभिनेत्री संयुक्ता एक और बड़े प्रोजेक्ट के साथ चर्चा में हैं। निर्देशक पूरी जगन्नाध की अपकमिंग पैन इंडिया फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री तब्बू और बहुमुखी एक्टर विजय सेतुपति के साथ संयुक्ता स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। इस मेगा प्रोजेक्ट को लेकर उद्योग में पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है। बड़े पैमाने पर तैयार की गई इस फिल्म में विजय सेतुपति लीड रोल निभा रहे हैं, वहीं संयुक्ता फीमेल लीड के रूप में नजर आएंगी। तब्बू एक इंटेंस और बेहद महत्वपूर्ण किरदार में दिखाई देंगी, जिसकी इंडस्ट्री में खास चर्चा है। फिल्म का निर्माण निर्माता चार्ममे कौर और पूरी जगन्नाध ने अपने बैनर पुरी कनेक्ट के तहत किया है। शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसे तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा। संयुक्ता ने तब्बू के साथ काम करने के अनुभव को यादगार बताया। उन्होंने कहा कि तब्बू सेट पर जिस ऊर्जा और सहजता के साथ आती हैं, वह अद्भुत है। संयुक्ता ने तब्बू की पसंदीदा फ़िल्म कंडुकोंडियन का ज़िक्र करते हुए कहा कि उस फिल्म में उनका काम असाधारण था और आज भी उनकी वही ग्रेस बरकरार है। संयुक्ता ने यह भी बताया कि तब्बू की हैदराबादी हिंदी सुनकर उन्हें बेहद अच्छा लगा। भले ही दोनों के अधिक सीन साथ नहीं थे, लेकिन शूटिंग अनुभव उनके लिए खास रहा। संयुक्ता इस समय अपने करियर के स्वर्णिम दौर में हैं। विजय सेतुपति की इंटेंस मौजूदगी, तब्बू का शानदार अभिनय और संयुक्ता का तेजी से उभरता स्टारडम इन तीनों का मेल इस फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर एक बड़ा सिनेमाई उत्सव बनाने वाला है। खुद तब्बू पहले ही इसे साउथ का धमाका बता चुकी हैं और माहौल भी यही संकेत दे रहा है। फिल्मों की बात करें तो संयुक्ता जल्द ही एक्शन से भरपूर फिल्म बेंझ में नजर आएंगी, जिसे लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स में उनकी दमदार एंट्री माना जा रहा है। इसके अलावा तेलुगु फिल्म स्वयंभू में भी उनके एक और प्रभावशाली प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

लाखों दिलों से मिले आशीर्वादों का प्रतीक है ‘जलसा’: अमिताभ बच्चन

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने घर जलसा को लेकर एक भावनात्मक नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने इसे सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि लाखों दिलों से मिले आशीर्वादों का प्रतीक बताया। उन्होंने लिखा कि जलसा तीन दशकों से ज्यादा समय से उनके परिवार के जीवन का आधार रहा है, जहां उनके बच्चे बड़े हुए, उनकी शादियां हुईं और अब उनके पोते-पोती भी इसी घर की गर्माहट में पल बढ़ रहे हैं। अमिताभ ने बताया कि प्रशंसकों का प्यार ही जलसा को एक खास जगह बनाता है। उन्होंने लिखा कि आज की व्यस्त दिनचर्या में जब फैंस समय निकालकर उनसे मिलने आते हैं और उनके स्वास्थ्य की कामना करते हैं, तो यह उनके लिए किसी दिव्य अनुभव जैसा लगता है। उन्होंने सभी को अपना बड़ा परिवार बताते हुए कहा कि उनका प्रेम और आशीर्वाद अमूल्य है और यही उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। अपनी ब्लॉग पोस्ट में उन्होंने जलसा को खुशियों, जश्न और साथ का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह घर परिवार के रिश्तों, उत्सवों और जीवन की निरंतर यात्रा का साक्षी रहा है। उन्होंने इसे वह स्थान बताया जो हमेशा अपनापन और आनंद का अनुभव कराता है। उनके अनुसार, जलसा सिर्फ दीवारों से बना एक मकान नहीं बल्कि भावनाओं, यादों और वर्षों से संजोए गए स्नेह का केंद्र है। कार्य के मोर्चे पर, अमिताभ बच्चन आने वाले महीनों में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। इन दिनों वे हैदराबाद में बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन फिल्म कल्की 2898 एडी पार्ट 2 की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें वे अश्वत्थामा की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा वे ब्रम्हास्त्र पार्ट 2, सेक्सन 84, द इंटर्न (रिमेक) और आंखें 2 जैसे कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का भी हिस्सा हैं। अमिताभ की यह भावुक अभिव्यक्ति न केवल उनके प्रशंसकों के प्रति उनके गहरे प्रेम को दर्शाती है, बल्कि उनके परिवार और घर से जुड़े अनमोल संबंधों को भी उजागर करती है। बता दें कि मेगास्टार अमिताभ बच्चन अक्सर अपने ब्लॉग के माध्यम से प्रशंसकों से संवाद करते रहते हैं।

सोनम बाजवा ने दी जी सिने अवॉर्ड्स में शानदार प्रस्तुति

हाल ही में अभिनेत्री सोनम बाजवा ने पहली बार जी सिने अवॉर्ड्स 2026 के मंच पर लाइव परफॉर्मेंस दी। इस खास मौके को लेकर उन्होंने अपने अनुभव और भावनाओं के बारे में खुलकर बात की। जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में सोनम बाजवा ने अपनी फिल्म ‘एक दीवाने की दीवानियत’ के लोकप्रिय गानों ‘बोल कफ्फारा क्या होगा’ और ‘दिल दिल दिल’ पर शानदार डांस प्रस्तुत किया। उनकी दमदार एनर्जी, आत्मविश्वास और बेहतरीन एक्सप्रेशन ने वहां मौजूद दर्शकों को काफी प्रभावित किया। उनकी परफॉर्मेंस के दौरान पूरा माहौल उत्साह से भर गया और दर्शकों ने तालियों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। सोनम की प्रस्तुति ने समारोह में मौजूद लोगों को खूब आनंदित किया। इस अनुभव को याद करते हुए सोनम बाजवा ने कहा कि वह पहले भी कई लाइव शो कर चुकी हैं, लेकिन किसी अवॉर्ड नाइट में प्रस्तुति देना उनके लिए बिल्कुल अलग और खास अनुभव था। उन्होंने बताया कि बचपन में वह अक्सर टीवी पर अवॉर्ड समारोह देखा करती थीं और मन ही मन सोचती थीं कि एक दिन वह भी ऐसे ही किसी बड़े मंच पर खड़ी होंगी। अब जब उन्हें यह मौका मिला, तो उन्हें लगा जैसे उनका पुराना सपना सच हो गया हो। सोनम ने आगे कहा कि यह उनका पहला अवॉर्ड शो परफॉर्मेंस था, इसलिए यह उनके लिए

बेहद खास और भावनात्मक पल था। उन्होंने बताया कि पूरे फिल्म उद्योग के सामने मंच पर खड़ा होना एक अलग ही एहसास होता है। वहां का माहौल, सिनेमा का जश्न और दर्शकों का प्यार कलाकार के लिए बहुत मायने रखता है। हालांकि मंच पर जाने से पहले वह थोड़ी घबराई हुई थीं, लेकिन साथ ही उनके मन में इस अवसर को लेकर गहरा आभार भी था। वर्कफ्रंट की बात करें तो साल 2025 सोनम बाजवा के करियर के लिए काफी अहम साबित हुआ। उनकी फिल्म ‘हाउसफुल 5’ और ‘एक दीवाने की दीवानियत’ ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। इसके अलावा उन्होंने साल 2026 की शुरुआत भी एक बड़े प्रोजेक्ट के साथ की है। वह अभिनेता सनी देओल की फिल्म ‘बॉर्डर 2’ में नजर आईं। इन फिल्मों की सफलता ने उन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एक मजबूत पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। बता दें कि फिल्मी दुनिया में अवॉर्ड नाइट्स को हमेशा खास और यादगार माना जाता है। किसी बड़े अवॉर्ड समारोह के मंच पर प्रस्तुति देना हर कलाकार के लिए गर्व और सम्मान की बात होती है।

1,000 robotic surgeries at AIIMS Delhi, but 'miles to go', says doctor who started it

NEW DELHI, Agency: In a landmark that doctors said called for celebration, AIIMS Delhi has completed 1,000 robotic surgeries since the programme began in the hospital. The milestone follows installation of the "da Vinci robotic surgical system", with the first such procedure led by Dr Hemanga K Bhattacharjee in Nov 2024 after years of preparation by the surgical team.

Surgeons at the top hospital are now performing robot-assisted surgeries free of additional cost. This, doctors said, makes AIIMS one of the fastest-growing robotic surgery centres in the public sector and the programme now covers a wide range of complex procedures including cancer operations, pelvic surgeries and organ transplants. For patients, the shift represents a technological leap in how surgery is performed.

"Studies have consistently shown that the technological aspects of robotic surgery result in less pain and better precision," Dr Bhattacharjee told Media. "The robot allows the surgeon to achieve outcomes that are often more precise than conventional techniques."

Robotic surgery belongs to a broader category of minimally invasive procedures that emerged over the past three decades. Traditional open surgery involves large incisions to access organs, often leading to longer recovery times and greater pain. Laparoscopic surgery-which uses small incisions and instruments guided by cameras-revolutionised the field in the 1990s. Robotic surgery takes this approach a step further.

The surgeon operates from a console that provides a highly magnified, three-dimensional view of the patient's anatomy. Instruments attached to robotic arms mimic the surgeon's hand movements but with greater flexibility and steadiness, eliminating tremors and allowing access to difficult areas deep inside the body.

For certain types of procedures, particularly pelvic surgeries, the advantages can be significant. The enhanced precision helps surgeons preserve delicate nerves and reduce bleeding during the operation, which in turn improves recovery and long-term outcomes.

Despite these advantages, India's adoption of robotic surgery came relatively late. The technology has existed for more than two decades, but its expansion was slowed by one major barrier: cost.

Robotic surgical systems can cost several crores of rupees, with additional expenses for maintenance and specialised instruments. As a result, most early adopters in India were large private hospital chains, where patients often paid several lakh rupees for robotic procedures.

But all that is about to change. Govt hospitals are increasingly entering the field, bringing the technology within reach of a wider segment of patients. "There is no extra cost involved for patients here," Bhattacharjee said. "But we do select cases carefully. Certain procedures benefit more from robotic assistance, and since we currently have only one robot in the department, we choose patients based on where the technology will make the most difference."

Demand, however, is growing rapidly. Patients are increasingly aware of the technology and often ask specifically for robotic surgery. "Adoption does not look difficult," said Bhattacharjee, adding, "Earlier patients used to ask for laparoscopic surgery. Now many are asking whether robotic surgery is possible."

The expansion of robotic surgery also raises questions about training the next generation of surgeons. Operating a robotic console requires new technical skills beyond those used in traditional surgery.

At AIIMS, resident doctors are now undergoing extensive training on the system as part of their surgical education. The hospital has also invested in specialised training facilities to ensure doctors become proficient with the technology before performing live operations.

Looking ahead, experts believe robotic surgery could become far more common in India, especially if more public hospitals adopt the technology. "But price is one of the biggest constraints," Bhattacharjee said. "Not many public hospitals are able to adopt the technology because of the cost. If the govt finds ways to make it more viable, many more patients could benefit."Beyond robotics, the next frontier may involve artificial intelligence assisting surgeons during operations. "Artificial intelligence is progressing day by day," Bhattacharjee said. "Research on animals has already shown that some automated robotic procedures are possible. But it will take time before such systems become part of routine surgery."

Adopted daughter who attacked mom pardoned:

New Delhi: Noting that a mother-child relationship is sacrosanct, Delhi High Court has ended criminal proceedings for attempt to murder against an adopted daughter for attacking her mother.

The court took into account that the mother wanted to forgive the adopted daughter, and they reached an out-of-court compromise. "If justice is ever to be tempered with mercy, this is a fit case... That profound sentiment must, in the peculiar facts of this case, transcend any societal or public interest in securing the petitioner's conviction," Justice Prateek Jalan observed last week.The court pointed out that "most importantly, the dispute is in the nature of a family dispute" since the relationship between the parties "is akin to a mother-and-child relationship, a relationship that is socially recognised as singular and sacrosanct".Hearing their plea to quash an FIR, HC recorded that the young woman had apologised for her past conduct, including for the attack on her mother, and expressed gratitude for the family's love and care. The daughter will, however, have no right, title, interest, concern or connection with any assets of the mother.

Meet the girls driving India's transit revolution at Namo Bharat speed

NEW DELHI, Agency: From the dusty lanes of rural Uttar Pradesh to the high-tech cockpit of one of India's most advanced transit systems, 24-year-old Shivani's journey has been anything but ordinary. The daughter of a Bareilly farmer, she once cycled to college every day. Today, she operates Namo Bharat trains on the Delhi-Ghaziabad-Meerut RRTS corridor, designed to run at 180 kmph with a maximum operational speed of 160 kmph.

After completing a diploma in electrical engineering, Shivani - who uses only her first name - joined the Namo Bharat project without realising she would eventually be entrusted with driving the trains. "I didn't know the job would involve operating trains. The responsibility came later, after medical and other tests," she said.Despite having never driven even a scooter or a car, she now handles a sophisticated, semi high-speed system. "Initially, I was scared and nervous. During training, some people would wonder how a petite girl like me could drive such a train. Today, I feel proud to operate it and travel 400-500 km daily," she told Media.Women now make up nearly 30% of the operational staff on the Delhi-Ghaziabad-Meerut corridor. A full journey from Delhi's Sarai Kale Khan to Meerut's Modipuram takes just 58 minutes.

'I'm the first woman from my village to work outside it'Priyanka Awasthi, 25, has been steering Namo Bharat trains since the inaugural run on a limited stretch in Oct 2023. From a village in Unnao, her path to the operator's cabin has been challenging. Her father, a private bus conductor, often stands all day collecting fares - not all of which passengers pay. "I used to think I'd do a job where payment is made first," she said.

Priyanka is also the first woman in Bhardar Naushara village to take up employment outside it. Her most cherished moment came when her family travelled on a train she was driving. "They couldn't enter the operator's cabin, but they kept asking each other whether I was at the controls. They were proud," she said. Priyanka now supports four younger siblings who are still studying.

Small gestures from commuters, she said, brighten her day. "Once, a passenger gave me a thumbs-up after getting off. It stayed with me."

'Each journey, a new learning curve for us'

For 23-year-old Isha Dheerwan of Meerut, the RRTS corridor had long been just a construction stretch she saw around the city. She lost her father two years ago and became the family's primary support after securing the operator's job."As the eldest child, I took responsibility for the family. Working here makes me feel proud that I'm breaking barriers," she said.

Kanchan, 24, from Modinagar, has been operating trains for nearly a year. The early months were tough, she said - dealing with technical snags, managing delays and ensuring punctual operations."But I learned so much. The experience has made me stronger," she said, adding that women can excel in any field with hard work and dedication.

'Earning blessings on the way'

Poonam Verma, 24, from Azadpur in north Delhi, once dreamt of becoming an air hostess.

Delhi to get 81-ft Lord Ram statue in Mangolpuri; Rs 55 crore project cleared

NEW DELHI, Agency: A towering statue of Lord Ram, matching the Jhandewalan Hanuman statue, is going to be installed in northwest Delhi's Mangolpur Kalan Hanuman Mandir Park. Delhi Village Development Board on Friday sanctioned Rs 55 crore for the project in Mangolpuri, including Rs 50 crore for the 81-foot-high statue.

Board chairperson Raj Kumar Chauhan told Media, "There was a demand for a large Ram statue from people in the area and elsewhere in Delhi. I received multiple requests and accordingly the project was sanctioned."

The project aims to redevelop the park near the upcoming Mangolpur Kalan metro station into a cultural landmark, with the statue as its centrepiece. The 81ft statue will be mounted on a base of about 10ft, topped with an ornamental canopy of over 6ft, taking the overall height close to 100ft. The structure will be built on a reinforced RCC foundation with a structural steel framework and covered with bronze panels to ensure durability and visual appeal. A Hanuman temple already exists inside the park.

Chauhan said the location was chosen to create a striking skyline view for people. "Both the metro line and the statue will be visible to people from a single spot, offering a visual similar to the Hanuman statue near Jhandewalan," he added.

According to the proposal, Lord Ram, in a blessing gesture, will be depicted standing on a lotus pedestal, holding the bow resting on the ground. It will incorporate traditional sculptural elements inspired by classical depictions of Ram, including a halo behind the head.The department estimates that construction will take around 18 months from the date of the award of work around March. Chauhan said officials were directed to expedite the tendering process, which would "invite agencies with prior experience in similar work".

Behind every successful woman cop, is her own strong skillsets

NEW DELHI, Agency: For women cops working for Delhi Police's Mission Reconnect, every ping is a personal test- sending them across cities to recover stolen phones while managing life beyond the uniform.

The initiative, which led to the recovery of 580 mobile phones, was driven by the relentless efforts of head constables Anju Tomar, Ruby and constable Neelam.Their days are spent tracking digital footprints, verifying leads and confronting suspects across state borders. Yet the same officers return home, shapeshifting into homemakers-ensuring homework is done, meals are laid out and their children feel supported.

Amind long hours, acing mind games

Head constable Anju Tomar, a graduate who joined the force in 2009, spends long hours during police week analysing SIM data and call records as part of the Central Equipment Identity Register (CEIR) recovery team. Her role involves digital monitoring as well as field visits to various locations to verify claims and confront suspects."Tracking phones isn't easy. People lie, switch off devices or keep changing locations. Sometimes it takes days of continuous monitoring," she says.

Her background in science provides an edge to her work with the CEIR team, where she sifts through SIM details and call logs to dismantle the lies of those found with stolen property. Despite the long hours spent monitoring shifting locations, Anju credits her family-especially her husband and children-for supporting her demanding schedule.

Handling scepticism and hostile calls

In the Crime Branch, 32-year-old constable Neelam, a political science graduate and mother of two, encounters a different challenge: citizens who often mistake her calls for scams.Her work is uniquely challenging; she frequently endures scepticism from the very people she is trying to help, often being mistaken for a scammer. She has even had to field abusive calls and video calls from wary citizens. "People sometimes mistake me for a scammer because fraudsters often impersonate police officers. At times, they even call back late at night. I handle all of this with calmness," she says.Her responsibilities do not end even if the workday does. Yet, even on her holidays, Neelam remains tethered to her work, tracking signals across state lines and managing the "innocent" buyers who realise too late they've purchased stolen goods.

Her husband, also a Delhi Police constable, helps share responsibilities, she says.

When work-related travel eats into family time

Constable Ruby, who joined the force in 2010, recalls travelling to several states including Punjab, Bihar and Uttar Pradesh while pursuing recovery leads.

Manacles On J'khand's Trafficked Girls - BrokenBy City's Rescue Facility

New Delhi, Agency: After three years of abuse by her affluent employers in Gurgaon - who made her sleep in a toilet on their terrace - 13-year-old Manisha (name changed), a tribal girl from Godda, was rescued after her father sent an SOS that triggered a joint operation led by Jharkhand Bhawan's Integrated Research and Rehabilitation Cell (IRRC). Lodged in a children's home in Delhi since late Nov, she now waits to return to the village she was taken from at age 10 by a trafficker who promised a better life.

Eight-year-old Nisha left Khunti with her parents, unaware she would soon be abandoned on a train with only a mobile phone. Found at Anand Vihar station six months ago, she has been in a children's home while authorities traced her family. The inquiry led to her grandmother, who is eager to take her back despite her own hardship. Nisha will return once officials finalise a rehabilitation plan and enrol her in a residential school.

In Jan, Rashi and 17 other children boarded a train from Ranchi, lured by a woman trafficker who promised a fun trip to Delhi and work to ease their families' poverty. Before they reached the Capital, an alert from Jharkhand Police led to their rescue at a Delhi station. Four of them - including Rashi - were shown as adults after the trafficker produced birth certificates. With no long-term support for those just above 18, Rashi was sent back to the home she had earlier fled.

These cases of girls aged 8 to 18 illustrate a growing pattern of minors falling prey to unsafe migration routes or organised trafficking networks. Children reported missing in village police stations often resurface in NCR, trapped by placement agencies, intermediaries or employers who treat them as bonded workers. Salaries are diverted to agents posing as relatives, and the girls are denied phones, mobility and contact with their families.

On the eve of Women's Day, Media visited the IRRC facility run by Jharkhand Bhavan, where case files and counselling reports reveal how traffickers continue to expand their networks despite tighter enforcement. They routinely forge Aadhaar and birth certificates to avoid arrest.

Since 2015, the IRRC has restored 1,077 Jharkhand children to their families or to institutional care in tribal districts. Nodal officer Nachiketa said that in the current financial year (2025-26), 122 children have been returned so far. Of all repatriations since inception, 98% are girls. Each year, 20-25 children from other source states such as Chhattisgarh, Odisha, Assam and Nepal are also rescued.

Most rescues take place across NCR - Gurgaon, Faridabad, Noida and Ghaziabad - though teams have travelled to UP, Haryana, Punjab and even Telangana, where six children were recently recovered from a biscuit factory.

Working out of a facility in Vasant Kunj, the team keeps a ready space for children brought directly from households before they are escorted to their villages. The 24x7 unit responds to calls from district administrations, police and citizens on its helpline 10582.

"Case after case shows that social vulnerabilities push children into trafficking," Nachiketa said. "It's not just poverty - single-parent homes, children left with siblings while parents migrate for work, or families where survival needs overshadow childcare make them easy targets."

The trafficking chain, she said, is layered to avoid detection. Each trafficker through the chain of intermediaries from the stage of acquiring the child to placing the child through agents in a home as a househelp probably makes around Rs 1 lakh from one child over a year," she added."The children get nothing-their wages go to traffickers, they have no phones, no freedom, and are kept like bonded labour," Nachiketa said.After restoration, the IRRC monitors each child for three months, ensuring access to schooling, skilling and state-sponsored support. But girls who turn 18 before or during repatriation often fall through systemic gaps. "We need support beyond shelter homes for young women who are legally adults but still extremely vulnerable," Nachiketa said.The National Commission for Protection of Child Rights, in its 2018 SOP on repatriation of trafficked children, acknowledged the central role state bhawans can play in Delhi-NCR rescues - a responsibility Jharkhand Bhawan has carried out since 2015.